सुनते सुनते उसका मित्र मर गया। शाम की गाडी में आये लड़के ने देखा कि– पिताजी कविता पढ़ रहे हैं, और उनके मित्र मरे पड़े हैं। कल किसे कविता सुनाएगा? मित्र के स्थान पर मैं ?

III. अनंगजी अपने कविता संग्रह का प्रकाशन कर रहे हैं। उसकेलिए एक आकर्षक पोस्टर तैयार करें।

Ans.

पुस्तक प्रकाशन

विरिष्ट कवि

अनंगजी का

नया काव्य संग्रह

"अनंग-वाणी"

20/07/1997 बुधवार

शाम को चार बजे

टॉउन हॉल, इन्दोर

पुस्तक प्रकाशन एवं चर्चा में सभी का स्वागत।

KSTA

(Kerala School Teachers Association)

VIDHYAJYOTHI

Mikavu 2018-19

HINDI

Plus One & Plus Two

മികവിലേക്ക്

Hcp ssI¯m§v

പൊതുവിദ്യാലയങ്ങൾ പുത്തനുണർവ് നേടി ശക്തമായ കുതിച്ചു കയറ്റം നടത്തുന്ന കാഴ്ചയാണ് പോയ രണ്ട് വർഷങ്ങളിൽ കേരളത്തിൽ കാണാനാവുക ഭൗതിക സൗകര്യ വികസനത്തോടൊപ്പം അക്കാദമിക മികവുറപ്പുവരുത്താൻ ഓരോ വിദ്യാലയവും തയ്യാറാക്കിയ മാസ്റ്റർ പ്ലാനുകൾ പ്രവർത്തിപഥത്തിലെത്തുന്നതോടെ മുന്നേറ്റത്തിന്റെ ഗതിവേഗം കൂടും. അക്കാദമിക മികവാണ് യഥാർഥ മികവ് എന്ന പൊതു വിദ്യാഭ്യാസ സംരക്ഷണയജ്ഞം മുന്നോട്ടുവച്ച കാഴ്ചപ്പാടിന്റെ സാക്ഷാത്കാരമാണ് വിദ്യാഭ്യാസ മേഖലയിലെ പ്രവർത്തനങ്ങൾ.

തകർച്ച നേരിട്ട പൊതുവിദ്യാഭ്യാസ മേഖലയെ എങ്ങനെ പുതുക്കിപ്പണിയണമെന്നത് സംബന്ധിച്ച് ഒരു കമ്മീഷനെ തന്നെ വച്ച് സൂക്ഷ്മതലത്തിൽ പഠനം നടത്തി റിപ്പോർട്ട് തയ്യാറാക്കിയ സംഘടനയാണ് കെ.എസ്.ടി.എ അതുകൊണ്ടുതന്നെ ഇടതുപക്ഷ ജനാധിപത്യമുന്നണി സർക്കാർ നടപ്പാക്കുന്ന പൊതുവിദ്യാഭ്യാസ സംരക്ഷണയജ്ഞത്തിന്റെ മുന്നണിപ്പോരാളിയായും അണിയറ ശിൽപിയായും ഈ മഹാപ്രസ്ഥാനം നിലകൊള്ളുന്നു. 173 വിദ്യാലയത്തിൽ **നിറവ്** സമഗ്ര വിദ്യാലയ വികസന പരിപാടി നടപ്പിലാക്കിക്കൊണ്ട് സംഘടന കഴിഞ്ഞ വർഷമുണ്ടാക്കിയ മുന്നേറ്റം തുടരുന്നതോടൊപ്പം ഈ വർഷം ഓരോ ഉപജില്ലയിലും ഒന്ന് എന്ന രീതിയിൽ വിദ്യാലയത്തിൽ **മികവ് 2018** നടപ്പാക്കുകയാണ്. വിജയ ശതമാനം വർദ്ധിപ്പിക്കുക എന്നതിലാണ് പോയവർഷങ്ങളിൽ വിദ്യാജ്യോതി പ്രവർത്തനങ്ങൾ കേന്ദ്രീകരിച്ചതെങ്കിൽ ഈ വർഷം ഗുണനിലവാരത്തിലൂന്നി കൂടുതൽ എ പ്ലസുകൾ സൃഷ്ടിക്കുക എന്ന ലക്ഷ്യമാണ് മുന്നോട്ടുവയ്ക്കുന്നത്. അതിന് സഹായകമായവിധം ഹൈസ്കൂൾ ഹയർ സെക്കന്ററി വിഭാഗങ്ങളിലേക്ക് 20 മൊഡ്യൂളുകൾ തയ്യാറാക്കി നൽകുകയാണ്. ഇവ ഏറ്റവും ഫലപ്രദമായി ഉപയോഗപ്പെടുത്തിയും സബ്ജക്ട് ക്യാമ്പുകളും ക്ലിനിക്കുകളും സംഘടിപ്പിക്കുകയും പരീക്ഷാകേന്ദ്രീകൃതമായ പ്രവർത്തനങ്ങൾ ഏറ്റെടുത്തും 2019 വർഷത്തെ എസ്.എസ്.എൽ.സി, ഹയർസെക്കന്ററി റിസൽട്ടിന്റെ ഗുണനിലവാരം മെച്ചപ്പെടുത്താനുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ പങ്കാളികളാകണമെന്ന് അഭ്യർഥിക്കുന്നു.

കെ.സി.ഹരികൃഷ്ണൻ
ജനറൽ സെക്രട്ടറി

दवा

I. अनंगजी के अंतिम क्षण आ पहुँचे। उन्हें घंटे भर जीवित रखने केलिए उनकी पत्नी डॉक्टर से प्रार्थना करती है। अनंग जी की पत्नी और डॉक्टर के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

Ans. पत्नी - डॉक्टर साहब मेरे पति को आगे के 5-6 घंटों जीवित रहने की दवा दीजिए।

डॉक्टर - हम सब उसकी रक्षा करने की कोशिश में हैं।

पत्नी - मेरी बात सुनिए जी।

डॉक्टर - ज़रूर, बताइए।

पत्नी - शाम की गाडी में मेरा बेटा आएगा। तब तक इसे ज़िन्दा रख दीजिए।

डॉक्टर - यह कैसे संभव हो जी?

पत्नी - डॉक्टर साहब, आप कोशिश कीजिए। मेरा बेटा अपने पिताजी को जिंदा देखने आ रहा है।

डॉक्टर - जी हाँ.... आपकी वेदना मैं समझ रहा हूँ। आप ईश्वर पर उम्मीद रखिए ।

पत्नी - जी धन्यवाद डॉक्टर साहब।

II. शाम की गाडी आ गई और लड़का भी आ गया। उसने कमरे में घुसते ही देखा कि पिताजी कविता पढ़ रहे हैं और उसके मित्र मरे पड़े हैं। – इस घटना को डॉक्टर अपनी डॉयरी में लिखता है। वह डायरी तैयार करें।

जुलाई 15 1997 इन्दोर : 9.00 पी.एम

Ans. मेरी डॉक्टरी जीवन में कभी ऐसा नहीं हुआ कि मरनेवाला बच गया और बचानेवाले ने दम तोड़ दिया। कवि अनंग कल आस्पताल में बुरी अवस्था में भर्ती हो गया। उसका अंतिम क्षण था..... बचने की कोई उम्मीद नहीं थी उसका एक मित्र आकर कविता-पाठ करते हुए उसे बचाने की कोशिश करता रहा.... घंटे पर घंटे बीतते गए। अंत में पता चला कि मित्र ने अनंगजी की तारीफ़ की और कविता पाठ करने केलिए उसे विवश किया। जब अनंग ने कविता पाठ शुरू की,

आदमी का चेहरा

I. कवितांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

"मैं उसके चेहरे से उसे
कभी नहीं पहचाना
केवल उस नंबर से जाना
जो उसकी लाल कमीज़ पर टँका होता
आज अब अपना सामान खुद उठाया
एक आदमी का चेहरा याद आया।"

1. कवि ने कूली को कैसे पहचाना?

Ans. उसकी लाल कमीज़ पर टँके नंबर से कवि ने कूली को पहचाना।

2. कवि को आदमी का चेहरा कब याद आया?

Ans. जब कवि ने अपना सामान खुद उठाया तब आदमी का चेहरा याद आया।

3. समकालीन संदर्भ से जोड़कर कवितांश की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

Ans. नई कविता के सशक्त कवि श्री कुंवर नारायण द्वारा लिखित कविता है "आदमी का चेहरा" देश की प्रगति में निम्न-वर्ग के श्रमिक लोगों की अपनी भूमिका अवश्य रही है। इस सत्य को साबित करने केलिए कवि ने एक कुली के माध्यम से अपना सशक्त विचार यहाँ प्रकट किया है। यात्राओं में कूली हमेशा कवि का सामान ढोता था। कवि उसके चेहरे से नहीं, उसकी लाल कमीज़ पर टँके नंबर से ही उसे पहचानता था। आज कवि ने अपना सामान खुद उठाया और सामान उठानेवाले कूली के दर्द को स्वयं पहचान लिया। अब कवि को कूली, केवल एक कूली ही नहीं बल्कि मनुष्य ही लगता है।

मेरी खोज

1. कूली को आदमी के रूप में पहचानने से पहले कूली के साथ कवि की यात्रा कैसी थी?

Ans. कूली को आदमी के रूप में पहचानने से पहले हर समय कवि उसके दस कदम पीछे ही चलता था।

2. कूली को आदमी मानने के पहले कवि ने उसको किस रूप में पहचाना था?

Ans. उसकी लाल कमीज़ पर टँके नंबर के रूप में ही पहचाना था।

3. सामान खुद उठाते वक्त कवि के दिमाग में कौन सा विवेक पैदा हुआ?

Ans. कुली भी एक इनसान है। वह जो काम करता है, उसका भी अपना महत्व है।

4. कुली कहकर पुकारने पर कवि को क्यों लगता है कि कुली नहीं एक इनसान आकर उसके पास खड़ा हो गया है?

Ans. कुली का काम करने पर कवि को सामान लादने की वेदना का और काम के महाव का पता चला। कुली भी एक इनसान है। कवि के दिमाग में ऐसा विवेक भी पैदा हुआ।

PLUS ONE - HINDI

1. अनुताप

सुकेश साहनी

1. 'अनुताप' किस विधा की रचना है? **(1)**

(नाटक, कथा, एकाँकी, लघुकथा)

Ans. लघुकथा

2. 'अनुताप' किसकी रचना है? **(1)**

(प्रेमचन्द की, चित्रा मुद्गाल की, सुकेश साहनी की, यशपाल की)

Ans. सुकेश साहनी की

3. 'उसे शाक-सा लगा' किसे? **(1)**

(असलम को, यात्री को, रिक्शावाले को, डॉक्टर को)

Ans. यात्री को

4. "कल की घटना उसकी आँखों कें अणे सजीव हो उठी।" किसकी? **(1)**

(रिक्शावाले की, डॉक्टर की, यात्री की, असलम की)

Ans. यात्री की

5. डॉक्टर ने रिक्शा चलाने से असलम को क्यों मना कर रखा था? **(2)**

Ans. असलम के दोनों गुर्दों में खराबी थी, इसलिए डॉक्टर ने उसे रिक्शा चालाने से मना कर रखा था।

6. "रिक्शा चलाते हुए असलम धीरे-धीरे कराह रहा था" क्यों? **(2)**

Ans. डाक बंगले तक चढाई ही चढ़ाई थी, और उसके दोनों गूर्दों में खराबी थी। इसलिए वह कराह रहा था।

7. यात्री की इच्छा हुई थी कि असलम की रिक्शे से उतर जाए, फिर वह क्यों नहीं उतरा? **(4)**

Ans. अगले क्षण उसने खुद को समझाया कि यह रोज़ का मामला है कब तक उतरता रहेगा, ये लोग नाटक भी खूब कर लेते हैं इनके साथ हमदर्द जताना बेवकूफी होगी।इसलिए वह रिक्शे से न उतरा।

8. यात्री किसी अपराधि की भाँति सिर झुकाए रिक्शे के साथ साथ चल रहा था। उसके मन के विचार क्या-क्या थे। कल्पना करके लिखें? **(4)**

Ans. असलम की मृत्यु की खबर सुनने के बाद यात्री उदासी था। उसने अपने मन में सोचा कि, यदि पिछले दिन वह रिक्शे से उतरते तो असलम की मृत्यु न होती। असलम की दारुण मृत्यु से यात्री के मन में उस के प्रति अनुताप का भाव जाग उठा।

9. सही मिलान करें। **(6)**

भला चंगा	-	दुखी
उदासी	-	खुलकर
दम तोड़ देना	-	चुस्त
सन्नाटा	-	बकवास
अनाप शनाप	-	खामोशी
सारे आम	-	मृत्यु

Ans.

भला चंगा	-	चुस्त
उदासी	-	दुखी
दम तोड़ देना	-	मृत्यु
सन्नाटा	-	खामोशी
अनाप-शनाप	-	बकवास
सारे आम	-	खुलकर

10. असलम की मृत्यु की खबर पाने के दो-तीन दिनों के बाद यात्री उसकी पत्नी के साथ असलम के घर पहुँचे । वे दिनों असलम की पत्नी के साथ अपना अनुताप प्रकट करते हैं। उनके बीच का वार्तालाप तैयार करें। **(6)**

(यात्री, यात्री की पत्नी, असलम की पत्नी)

Ans. यात्री : यह...यह असलम भाई का घर है न?

असलम की पत्नी : हाँ.....मगर आप....आप....., उसके बिना.....हम.....हम (रोती है)

यात्री की पत्नी : दीदी....दीदी क्षमा दीजिए भावुक न हो जाए....आप....आप

असलम की पत्नी : (रोती हुई) आप लोग कहाँ से हैं? मैं... मैं अकेली हूँ तीनों छोटे बच्चों के साथ.... या अल्लाह..विचार भी नहीं कर सकती!

यात्री : मैं रिक्शा का एक यात्री था। हमारे बीच एक बड़ा संबन्ध था। मगर मैं नहीं जानता था कि वह बीमार था। अगर जानते तो उसे रिक्शा चलाने से इनकार करा देता। वह चढ़ाई रिक्शे से उतर कर मुझे बिठाकर....हा...

असलम की पत्नी : हमारी नसीब। असलम आँखें मुँदते वक्त भी आपको पूछता था। बाबूजी... बाबूजी...बाबूजी एक, दो, तीन बार रटता रहा...

यात्री : दीदी.... क्षमा कीजिए... दो तीन महीने से असलम ही मुझे कार्यालय पहुँचाता था.... लेकिन बीमारी का बात कभी न बताता था।

असलम की पत्नी : हाँ भैया....अब तो कहने से क्या लाभ है मुझे अपने बच्चों को संभालना है।

यात्री की पत्नी : निराश मत हो दीदी हम सब होना? बीच बीच में हम आएँगे और आपस मिलेंगे...

असलम की पत्नी : हाँ दीदी.... धन्यवाद....

रोटी वह स्कूटर चलाकर कमाता है।

3. संक्षेपण केलिए उचित शीर्षक दें।

Ans. "स्कूटरवाला पीर"

IV. गद्यांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

मुझे तो पुण्य मिल ही गया..... मन के बादशाह।

1. स्कूटरवाला कैसे ग्रेजुवेट बन गया?

Ans. लाखों लोगों की दुआओं से ग्रेजुवेट बन गया।

2. गद्यांश के आधार पर स्कूटरवाले के चरित्र पर टिप्पणी करें।

Ans. बुजुर्गों को भी पानी न देनेवाली इस दुनिया में वह परोपकार की एक मूर्ति है। अपने माँ-बाप एवं बुजुर्गों के प्रति उसके दिल में आदर है। अपनी माँ के प्रति उसके मन में गहरा लगाव है और उनकी दुआ से उसे पुण्य भी मिला रहा है। वह अपनी इच्छा के अनुसार जीना चाहता है। नौकरी छोड़कर, स्कूटर चलाकर दूसरों को पानी पिलाना वह पसंद करता है।

V. 'भटका हुआ पीर' का यह अंश पढ़ें।

तू पानी पिलाया कर....रिश्ता जुडा हुआ है। स्कूटरवाला अपनी आत्मकथा लिखता है। वह आत्मकथांश 100-120 शब्दों में तैयार करें।

Ans. पितृविहीन होने पर भी मैं बेसहारा नहीं हूँ। लाखों लोगों की प्रार्थना मेरे साथ है। मैं अभी ग्रेजुवेट बन गया । लेकिन स्कूटर चलाना ही मैं पसन्द करता हूँ, क्योंकि पानी पिलाने से जो सुख मिलता है वह नौकरी से नहीं मिलता। माँ के उपदेश ने ही मेरा पथ-प्रदर्शन किया है। तू पानी पिलाया कर, पुण्य मिलता है – इस वचन से मेरी ज़िन्दगी बदल गयी। तब से अभी तक मश्क से मेरा रिश्ता जुड़ा हुआ है। अपनी मर्जी स्कूटर चलाना और रोकना एक रोचक अनुभव है। अपने मन के बादशाह। आपा-धोपी की इस दुनिया में खुशी बाँटकर दिल के रिश्ते जोड़कर राहगिरों को पानी पिलाते मैं इस काम में लीन हूँ।

VI. "भटका हुआ पीर" का यह अंश पढ़ें।

Ans. "विकास मार्ग से पार्लिमेंट स्ट्रीट तक जाते-जाते उसने दर्जनों बार स्कूटर रोककर राहगिरों को पानी पिलाया" स्कूटरवाले के बारे में दिल्ली के एक प्रमुख समाचार पत्र में एक "विशेष समाचार आता है। वह समाचार तैयार करें।

दिल्ली के सडक में मश्कवाला स्कूटर

Ans. दिल्ली की आम जनता के सामने एक स्कूटरवाला, देवता के रूप में आकर चटक गर्मी में सब को पानी पिलाता है। वह अपने स्कूटर रोककर राहगिरों से पूछता है कि "पानी पिएँगे...? वह अपना पैसा देकर मश्क भरवाता और लोगों को मुफ्त पानी पिलाता। वह पैसे के पीछे न दौड़कर लोगों के दिल से रिश्ते जोड़ता है। लोग उसे "मश्कवाला स्कूटर" कहते हैं। वह साधारण स्कूटरवाले से बढ़कर एक भटका हुआ पीर जैसे लगता है।

वह भटका हुआ पीर

I. गद्यांश पढ़ें और निम्निलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

जब मेरे घर आँगन में "गुलमोहर" खिलता है.... बैठिएगा।

1. लेखिका के घर में गुलमोहर खिलते ही उसको किसकी याद आती है?

Ans. भटके हुआ पीर की याद आती है।

2. भटका हुआ पीर क्या करता है?

Ans. भटका हुआ पीर पग-पग पर खड़ा होकर प्यासों को पानी पिलाता है।

3. लेखिका एक पटरी पर खड़ी होकर एक स्कूटर का इंतज़ार कर रही थी, तो उसके पास एक स्कूटरवाला आकर खड़ा हो गया। स्कूटरवाला और लेखिका के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

Ans. स्कूटरवाला - नमस्ते माँ... आप किसका इंतज़ार करती हैं?

लेखिका - नमस्ते मुझे विकास मार्ग की ओर जाना है... एक स्कूटर का इंतज़ार करती हूँ....।

स्कूटरवाला - राहगीरों को पानी देना मेरा काम है। आप चाहे तो मेरे साथ विकासमार्ग पहुँच सकती हैं।

लेखिका - इस में मुश्किल क्या.....? मैं आप के साथ आने को तैयार हूँ। इस तेज़ गर्मी में यहाँ नहीं ठहर सकती....।

स्कूटरवाला - शुक्रिया माँ..... आप मेरे साथ आने को तैयार हुई....। जी बैठिए....

लेखिका - धन्यवाद भैया....धन्यवाद ।

II. मैं सोच में डूब गई कि कैसा स्कूटरवाला है जिसके सामने प्यासे अपने आप आ जाते हैं..... लेखिका इस घटना का उल्लेख अपनी डॉयरी में करती है। डॉयरी का वह अंश तैयार करें।

2006 अप्रैल 6 विकास मार्ग 8.30

Ans. आज मशकवाला स्कूटर से मिलने का अवसर मिला। मशकवाला स्कूटर माने एक स्कूटर वाला, जिसके पास प्यासे अपने आप आ जाते हैं। विकास मार्ग से पार्लिमेंट स्ट्रीट तक जाते-जाते उसने कितनी बार गाड़ी रोककर राहगीरों को पानी पिलाया....? ओह कैसा आदमी है वह? कुएँ का मालिक है या एक पीर....? मेरे नयन पुलकित हुए। उसके रिक्शे में सवारी के रूप में मैं बैठी थी...। वह साधारण रिक्शावाला नहीं एक मशकवाला था.....।

III. गद्यांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

"जब घर के बड़े बुजुर्गों को....दो जून रोटी का जुगाड करता।"

1. स्कूटर वाले ने लेखिका से क्या पूछा?

Ans. स्कूटरवाले ने लेखिका से पूछा कि क्या पानी पिएगी?

2. प्रस्तुत गद्यांश का संक्षेपण करें।

Ans. **स्कूटरवाला पीर**

घर के बुजुर्गों को भी पानी नहीं पिलाती इस दुनिया में वह स्कूटरवाला एक पीर ही है। एक दिन लेखिका के घर में आकर उसने बता दिया कि वह पितृविहीन है। माँ की और अपनी रोज़ी

2. मधुऋतु

जयशंकर प्रसाद

1. 'मधुऋतु' कविता किस युग की रचना है? **(1)**

(द्विवेदी युग, प्रगति वाद, छायावाद, हालावाद)

Ans. छायावाद

2. 'मधुऋतु' कविता किसी रचना है? **(1)**

(रामधारी सिंह दिनकर, चन्द्रकान्त देवताले, पवन करण, जयशंकर प्रसाद)

Ans. जयशंकर प्रसाद

3. निम्न लिखित कवितांश के रेखाँकित शब्दों के स्थान पर समानार्थी शब्द कोष्ठ से चुनकर लिखें:- **(4)**

वसुधा नीचे ऊपर नभ हो

नीड़ अलग सबसे हो

झाडखंड के चिर पतझड में

भागो सूखे तिनको।

(शिशिर, किसलय, जंगल, आकाश, प्रभात, भूमि)

Ans. वसुधा : भूमि

नभ : आकाश

झाडखंड : जंगल

पतझड : शिशिर

4. "अंधकार का जलधि लाँघकर **(2)**

आवेंगी शशि किरणें" – चंद्रमा की किरणें कैसे आवेंगी?

Ans. अंधकार का समुद्र लाँघकर चन्द्रमा की किरणें आवेंगी।

5. निम्न लिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें- **(4)**

"इस एकाँत सृजन में कोई

कुछ बाधा मत डालो

जो कुछ अपने सुन्दर से हैं

दे देने दो इनको।"

Ans. आधुनिक हिन्दी कविता की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है छायावाद। जयशंकर प्रसाद छायावादी काव्यधारा के अग्रणी कवि हैं। प्रकृतिवर्णन, सौन्दर्यवर्णन, काल्पनिकता, मानवीकरण आदि छायावाद की विशेषताएँ हैं। जयशंकर प्रसाद की 'मधुऋतु' कविता में छायावाद की सारी विशेषताएँ समाहित हैं।

'मधुऋतु' कविता की इन अंतिम पंक्तियों में कवि प्रसाद कहते हैं कि अपने जीवन में प्रेमिका के आगमन से जो नई चेतना आयी है वह नष्ट न होने दें। प्रकृति के नौसर्गिक क्रियाकलापों में मानव के हस्तक्षेप न होने की ओर भी कवि यहाँ इशारा करते हैं। एकांत में वसंत और प्रकृति अनुराग से भरकर आपस में पूर्ण समर्पित होने लगते हैं। वैसे ही प्रेम की एकांत घडियों में प्रेमी-प्रेमिका का संपूर्ण मिलन और विकास होता है। उसी समय वे बिना किसी बाधा के आपस में मिलना चाहते हैं।

कवि की रागात्मक दुनिया में आनेवाली 'उषा' प्रेमिका के रूप में उसके जीवन में सौंदर्य की लालिमा लेकर आती है।

UNIT - IV

कुमुद फूल बेचनेवाली लड़की

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

1. पुराना देवालय.....बेचनेवालों के कितने दल। कुमुद सरोवर कहाँ स्थित है?

Ans. कुमुद सरोवर पुराने देवालय के पास स्थित है।

2. पूजा-द्रव्य कहाँ बेच रहा है?

Ans. पूजा-द्रव्य रास्ते में बेच रहा है।

3. "इधर इष्टदेव का....मुरझाए फूल की ठंडल ज्यों" - इस मंन्दिर के इष्टदेव का इष्ट नैवेद्य क्या है?

Ans. इष्टदेव का इश्ट नैवेद्य "कुमुद-फूल" है।

4. "मृत जल साँप ज्यों लड़के लंबे ठंडलों के"– यहाँ कवि किसकी ओर इशारा करता है?

Ans. यहाँ कवि कुमुद फूल के लंबे ठंडल की ओर इशारा करता है।

5. "मेरे सम्मुख आकर बोली कोई लड़की मुरझाए फूल की ठंडल जैसी"– यहाँ कवि ने लड़की की तुलना किस से की है ?

Ans. यहाँ कवि ने लड़की की तुलना मुरझाए फूल की ठंडल से की है।

6. "हाया मुरझ रहे
दो मुरम्य सुकोमल रूप..... - यहाँ किन-किन की ओर इशारा करता है?

Ans. यहाँ कवि मुरझाए फूल एवं उस लड़की के मुरझाए चेहरे की ओर इशारा करता है।

7. "हे फूल तू अन्न है...
थीमा होता जाता है।"
"हे फूल तू अन्न है इस छोटी बहन को"- कवि ऐसा क्यों कहता है?

Ans. फूल के दाम के रूप में इस बहन को लोग सिक्का देता है। उसी सिक्के से वह अन्न खरीदती है। परिवार संभालती है। इसलिए कवि ऐसा कहता है।

II. "हे फूल तू अन्न है इस छोटी बहन केलिए.....
मेरे हाथ से, मेरे हाथ से का दीन स्तर धीमा होता जाता है।" - समकालीन संदर्भ से जोड़कर कवितांश की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

Ans. मलयाळम के लोकप्रिय कवि ओ.एन.वी कुरुप्प की विख्यात कविता है "कुमुद फूल बेचेनवाली लड़की"। डॉ. तंकमणी अम्मा ने हिन्दी में इसका अनुवाद किया है। इसमें कवि ने एक मन्दिर के पास कुमुद–फूल बेचनेवाली लड़की के माध्यम से भूख रूपी सामाजिक सच्चाई प्रस्तुत की है। कवि के अनुसार कुमुद फूल उस लड़की केलिए अन्न है। इसलिए कवि सोचता है कि उस छोटी लड़की को अन्न केलिए पैसा देने से बढ़कर पुण्य और कुछ भी नहीं है। इसलिए कवि मन्दिर में फूल नहीं चढ़ाए वापस चला जाता है। "भूख" आज एक सामाजिक सच्चाई नहीं एक सामाजिक समस्या भी है। वर्तमान समाज में गरीबों की भूख मिटाने की चिंता को बल देना चाहिए मन्दिर या मसज़िद के निर्माण में लोग कितने रुपए खर्च करते हैं, बल्कि गरीबों की मदद केलिए एक पैसा भी नहीं देते। समकालीन संदर्भ में इस कविता का विषय बहुत प्रासंगिक है। कथ्य में छिपी मानवीय संवेदना को गहरी ईमान्दारी के साथ यह कविता प्रस्तुत करती है।

हाइकू

I. "जब भी कोई
फूल खिला बाग में
तू याद आया
प्रेम हमेशा हरा रहता है।" हाइकू के आधार पर अपना विचार प्रकट करें। **(4 Marks)**

Ans. जापानी कविता से प्रेरणा पाकर हिन्दी में आयी एक विशेष काव्य शैली है 'हाइकू'। प्रेम की महिमा का गायन करते हुए कवि कहते हैं – "प्रेम कभी नहीं मुरझाता है। प्रेम हमेशा हरा रहता है। प्रेमी प्रेमिका के दिल में हमेशा यादें बनी रहती हैं। प्रत्येक फूल के खिलने में प्रेमी को प्रेमिका की याद आती है।

II. "नभ गुँजाती
नीड गिरे शिशु पै
मँडराती माँ ।" मातृत्व अतुल्य है – हाइकू के आधार पर अपना विचार स्पष्ट करें। **(4 Marks)**

Ans. मातृत्व की महिमा बताते हुए कवि कहता है कि प्रकृति के प्रकोपों से कभी-कभी पेड़ों से नीड नीचे गिर जाते हैं। लेकिन नीचे गिरे अपने बच्चों को छोड़कर उनकी माँ भाग नहीं जाती। यही मातृत्व है, मातृत्व अतुलनीय है।

III. "मान न मान
मैं तेरा मेहमान
बने बुढापा।" बुढ़ापा हमारा मेहमान है। हाइकू के आधार पर अपना विचार प्रकट करें।**(4 Marks)**

Ans. हर आदमी बुढ़ापे को अपना शत्रु मानता है। लेकिन बुढ़ापा हमारा मेहमान है। परिवर्तन इस प्रकृति का नियम है। बुढ़ापे को निमंत्रण देने की ज़रूरत नहीं। समय के अनुसार हर व्यक्ति बुढ़पे की ओर जाएगा। हमें जीवन की सभी अवस्थाओं को स्वीकारना है।

3. यह हमारा अधिकार है.....

1. हाल ही में कालिकट जिले के कुछ इलाकों में 'निपो' वैरस के फैलाव से जो विपत्ति हुई है उसकी रोकथाम के लिए की गई कार्यवाईयों की सूचना माँगते हुए सार्वजनिक सूचना अधिकारि जिला चिकित्सा कार्यालय, कालीकट के नाम एक सूचना अधिकार पत्र तैयार करें। **(8)**

Ans. सेवा में

दस रुपये
Courtfee Stamp

सार्वजनिक सूचना अधिकारी
जिला चिकित्सा कार्यालय,
कालीकट।

1. आवेदक का नाम : अब्दुल वहाब राउत्तर
   डाक का पूरा पता : दया मंजिल, नडक्काव, कालीकट-4
   सूचना का विषय : 'नीपो' वैरस के फैलाव की रोकथाम के लिए की गई कार्यवाई से संबन्धित।
   माँगी गई सूचना का विवरण : 1. कालीकट नगर निगम के इलाकों में व्याप्त नीपो वैरस के प्रभाव से कितने लोगों की मृत्यु हुई?
   2. 'नीपो' वैरस की व्याप्ति की रोकथाम के लिए क्या-क्या कार्यवाईयाँ की गईं ?
   3. नीपो वैरस के फैलाव के किन-किन कारणों को अब तक चिकित्सा विभाग की टीम ने पहचान ली है?
5. सूचना ड़ाक या दस्ती में : डाक द्वारा।

कालीकट
11-जुलाई-2018

आवेदक (हस्ताक्षर)
अब्दुला वहब राउत्तर
दया मंजिल, नडक्काव,
कालिकट

4. जुलूस

चित्रा मुद्‌गल

1. 'जुलूस' कहानी किसकी रचना है? **(1)**

(सुकेश साहनी, चित्रा मुद्‌गल, प्रेमचन्द, यशपाल)

Ans. प्रेमचन्द

2. 'जुलूस' कहानी का नाट्य रूपान्तर किसने किया? **(1)**

(सुकेश साहनी, प्रेमचन्द, चित्र मुद्‌गल, प्रसाद)

Ans. चित्रा मुद्‌गल

3. "उसके आगे हमें किसी बड़े आदमी की पहवाह नहीं" किसके आगे? **(1)**

(बीरबल सिंह, इब्राहिम अली, महात्मागान्धी, प्रेमचन्द्र)

Ans. महात्मा गान्धी

4. "दुकान बन्दकर मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूँ" किसने कहा? **(1)**

(शंभुनाथ, मैकू, दीनदयाल, स्वराजी)

Ans. दीनदयाल

5. "लोगों की मनोवृत्ति में आया वह परिवर्तन ही हमारी असली विजय है।" यह किस पात्र का कथन है? **(1)**

(कैलाश, मैकू, बीरबल सिंह, इब्रहिम अली)

Ans. इब्राहिम अली

6. सही मिलान कीजिए... **(4)**

शसक	-	जल्लाद
निर्दय	-	जखमी
हानि	-	हाकिन
घायल	-	नुकसान

Ans.

शासक	-	हाकिम
निर्दय	-	जल्लाद
हानि	-	नुकसान
घायल	-	जखमी

III. उसके रूप देखकर मैं कहती थी, मुरकी किसके कान में पडेगी। जब मुरकी वापस आई मुझसे कहने लगी माँ मुझे किसीने कानों में पहना था। फिर उसके कान फुट गए.... यहाँ मुरकी किसकी ओर संकेत करती है? **(4 Marks)**

Ans. यहाँ मुरकी अपने पति के बारे में कहती है। वह अपने पिता को छोड़कर एक अपरिचित के साथ भाग गई थी। लेकिन पति द्वारा उपेक्षित मुरकी वापस कुमार के घर में आई और राजवंती से अपना दुःख बाँटने लगी। उसका विचार है कि वह पति केलिए एक बोझ बन गयी होगी।

IV. यह कथन पढ़ें।

मन को सौदे में जब उसका मन ही मुकर गया तो फिर तन को क्या ढूँढ़ना था? राजवंती यहाँ मुरकी की ओर संकेत करती है। राजवंती के इस कथन के आधार पर मुरकी का चरित्र चित्रण करें। **(4 Marks)**

Ans. मुरकी के मन में सभी के प्रति प्यार एवं ममता है। वह रिश्तें को मानती है। अपने पति को ईश्वर के समान वह मानती है। पति केलिए अपना सब कुछ उसने समर्पित किया। रिश्ते के साथ मानसिक एकता को भी वह महत्वपूर्ण मानती है। इसलिए वह कहती है "मन के सौदे में जब उसका मन ही मुकर गया तो फिर तन को क्या ढूँढ़ना था....?"

V. 'मुरकी उर्फ बुलाकी' कहानी का पात्र राजवंती के ये कथन पढ़े।

(क) मैं प्यार से कभी उसको मुरकी बुलती थी, कभी बुलाकी।

(ख) री मुरकी! किसके कानों में पडेगी?

कथनों के आधार पर राजवंती के चरित्र पर टिप्पणी लिखें। **(4 Marks)**

Ans. राजवंती रिश्तों को महत्व देनेवाली औरत है। अशरणों के प्रति उसके दिल में प्यार एवं ममता है। मुरकी को वह अपनी बेटी की तरह मानती है। संपूर्ण जीवन में मुरकी को सहारा देने को वह तैयार है। पति द्वारा उपेक्षित मुरकी को वह अपनी कोठरी की चाबी सदा केलिए समर्पित करती है। प्रस्तुत कहानी में राजवंती एक अनुपम महिला के रूप में हमारे दिल को जीत लेती है।

VI. कहती थी मन को सौदे में जब उसका मन ही मुकर गया तो फिर तन को क्या ढूँढ़ना था? "कमाल की औरत थी".. यहाँ कुमार किसकी ओर संकेत करता है? **(2 Marks)**

Ans. यहाँ कुमार मुरकी की ओर संकेत करता है।

मुरकी उर्फ बुलाकी

I. मुरकी उर्फ बुलाकी का अंश पढ़ें। **(6 Marks)**

"जब मैं ने उसकी मरी को नहलाया, इस कोठरी की चाबी उसके नेफे में खोंसी हुई थी। उसके माँस से चिपक गई थीं। मुरकी के अंतिम क्षण की बातें माँ से सुनकर उदास कुमार अपने मित्र रमेश से मिल जाता है। मुरकी की हालत के बारे में कुमार और रमेश के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

Ans. रमेश - अरे तुम आजकल क्यों इतना उदास हैं?

कुमार - क्या कहूँ रमेश, मुरकी की यादें हर समय सताती है।

रमेश - क्या हुआ उसको।

कुमार - वह तो मर गयी।

रमेश - अरे वह तुम्हारे घर कैसे पहुँच गयी?

कुमार - वह मातृविहीन लडकी का पालन पोषण किया था मेरी माँ ने।

रमेश - फिर क्या हुआ उसको?

कुमार - माँ ने उसकी शादी भी करवा दी। लेकिन कुछ साल बाद पति द्वारा उपेक्षित मुरकी को माँ ने सहारा भी दिया।

रमेश - क्या कहूँ? तेरी माँ एक अनोखी औरत है।

कुमार - जी हाँ, माँ ने कोठरी की चाबी उसको पकडाते हुए वायदा भी किया कि कभी कोई तुझसे यह चाबी नहीं छीनेगा।

रमेश - भगवान तुम्हारे भलाई करेंगे। ऐसी औरत दुनिया में कम ही मिलते हैं।

II. चार-छाह महीने उसके साथ किसी शहर में रही। उसने घर बनाया जो कुछ पास था लगा दिया। पति के साथ खुशी भरे नये जीवन की खूबियाँ मुरकी अपनी डायरी में लिखती है। वह डायरी तैयार करें। **(6 Marks)**

Ans. **18 आगस्त 1999 रात आठ बज़े** : मेरा सौभाग्य है कि एक ऐसी ज़िन्दगी मुझे मिली। सभी को छोड़कर रात के अंधकार में इसके साथ मैं यहाँ आई.... यह मुझे सच्चे दिल से प्यार करता है। मैं जैसी एक अनाथ को यह एक तोहफा है। सब कुछ बेचकर हम ने एक घर बनवाया। घर की वस्तुएँ भी हमने खरीदी। वह हर दिन काम करता है पैसा कमाता है। ईश्वर की कृपा से अभी तक मैं बहुत खुश हूँ।

7. निम्नलिखित कथन बीरबल सिंह के चरित्र की किन-किन विशेषताओं को उजागर करता है, उन विशेषताओं के आधार पर उसके चरित्र पर टिप्पणी लिखें। **(4)**

* मुझे यह हुकुम है कि जुलूस यहाँ से आगे न जाने पाए।
* हमारा हुकुम क्या आपको सुनाई नहीं पड़ा...
* फिर से सोच लो बहुत नुक्सान उठाना पडेगा...
* सिपाहियों, लाठी चार्ज करो।

Ans. बीरबल सिंह अंग्रेज़ी सरकार का एक आज्ञाकारी पुलिस अफसर है। वह अपने कर्तव्य के पालन में निष्ठ है। स्वराजियों पर लाठी चार्ज करने का आह्वान देने से कह सकते हैं कि बीरबल सिंह दूसरों पर अपनी सत्ता को थोपनेवाला एक निर्दयी पुलिस अफसर है। उसके मन में स्वाराजियों के प्रति छोटी मात्रा में सहानुभूति भी है, जिसके कारण वह उनसे, पहले वहाँ से पीछे हट जाने का अह्वान भी देता है।

5. दोहे

कबीर दास

1. कबीरदास किस काव्यधारा से जुडे हुए कवि थे? **(1)**

(कृष्णभक्ति, प्रेमाश्रयी, रामभक्ति, निर्गुण ज्ञानाश्रयी)

Ans. निर्गुण ज्ञानाश्रयी

2. सही मिलान कीजिए **(2)**

शूर	-	धूरि
धूलि	-	कोई
कोय	-	काहे
क्यों	-	सूरमा

Ans.

शूर	-	सूरमा
धुलि	-	धूरी
कोय	-	कोई
क्यों	-	काहे

3. "लघुता से प्रभुता मिले, प्रभुता से प्रभु दूरि" – कवि के अनुसार लघुता और प्रभुता का अन्तर क्या है? **(2)**

Ans. लघुता यानी विनम्रता से जीवन में ऐश्वर्य आता है। लेकिन प्रभुता या बडप्पन से ईश्वर दूर हो जाते हैं। अर्थात् हमें विनम्रता के साथ व्यवहार करना है।

4. "भक्ति करै कोई सूरमा जाति बरन कुल खोय।।" सच्चा भक्त कौन है? **(2)**

Ans. जो व्यक्ति जाति, वर्ण, कुल आदि सभी भेद-भावों के बिना व्यवहार करता है सच्चा भक्त वही है।

5. दोहे का भावार्थ लिखें। **(4)**

"दुःख में सुमिरन सब करै, सुख में करै न कोय।
जो सुख में सुमिरन करै, तो दुःख काहे होय।।"

Ans. कबीरदास निर्गुण भक्तिकाल की ज्ञानश्रयी शाखा के कवि थे। मानवता के प्रवर्तक कबीरदास एकेश्वरवादी थे। भक्तकवि कबीरदास क्राँतिकारी होने के साथ-साथ एक समाजसुधारक भी थे। 'साखी', 'सबद', 'रमैनी' इन तीनों में आपकी सारी रचनाएँ संकलित हैं।

प्रस्तुत दोहे में कबीरदास ने बताया है कि प्रायः लोग दुःख के अवसर पर ईश्वर का स्मरण करते हैं। सुःख के अवसर पर सब ईश्वर को भूल जाते हैं। लेकिन कबीर के अनुसार जो लोग सुख में भी ईश्वर का स्मरण करते हैं। उनके जीवन में दुख कभी नहीं होता।

यहाँ संत कवि कबीरदास सुख एवं दुःख को समान रूप से देखकर हमेशा ईश्वर का स्मरण करने का संदेश देते हैं।

सपने का भी इक नहीं

I. कवितांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

इस कमरेवाली.....पूजा का कमरा कहाँ होगा?

1. बच्चों के सो जाने के बाद मज़दूरित अपनी मन-दीवार पर कला खींचने लगी?

Ans. मज़दूरिन अपना विस्तृत घर खींचने लगी।

2. मज़दूरिन रसोई को कहाँ रखना चाहती है?

Ans. रसोई को बैठक के निकट रखना चाहती है।

3. समकालीन संदर्भ से जोड़कर कवितांश की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

Ans. हिन्दीतर भाषी कवियों में डॉ. जे.बाबू का महत्वपूर्ण स्थान है। साधारण मज़दूरिन की हालतों का यथार्थ चित्रण करनेवाली उनकी एक प्रसिद्ध कविता है – 'सपने का भी हक नहीं'।

एक कमरेवाली झोंपडी में रहनेवाली एक गरीब स्त्री अपने बच्चों के सो जाने के बाद नए घर के सपने में लीन हो जाती है। दो मंजिलवाले उसके घर में बहुत सारे कमरे हैं। खाने-पीने-सोने से लेकर बैठक, रसोई और पूजा कमरा तक उस घर में सज्जित है। गरीब महिला के सपने के माध्यम से एक कडवी सामाजिक सच्चाई यहाँ प्रस्तुत की है। सपना, सपना होता है। सपने की कोई भाषा, जाति नहीं होती। धनी-निर्धन भेदभाव नहीं होता। गरीबों केलिए सपना भी हमेशा कठोर बन जाता है।

II. निम्नलिखित कवितांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

कॉक्रीट की छत के.....

टी.वी होमथियेटर बैठक में भाते।

1. खिड़की दरवाज़े कहाँ रखना चाहती है?

Ans. खिड़की दरवाज़े दीवारों के मध्य में रखना चाहती है।

2. ज़मीन पर क्या चमकती है?

Ans. ज़मीन पर संगमरमर चमकता है।

3. बैठक की शोभा बढ़ानेवाली चीज़ों क्या-क्या है?

Ans. मेज़-कुरसी, टी.वी, होमथियेटर आदि बैठक की शोभा बढाती है।

4. मेज़ कुरसियाँ कैसे चमकती है?

Ans. संगमरमर की चमक से मेज़-कुरसियाँ चमकती हैं।

3. वे खामोश थे। कुछ बोल नहीं रहे थे। मगर उनके भीतर का हाहाकार मेरी समझ में आ रहा था। मिट्टी और मनुष्य के अभिन्न संबन्ध पर अपना विचार प्रस्तुत करें।

Ans. पिताजी को अपनी ज़मीन बहुत प्यारी थी। उसका जीवन इसी ज़मीन से ही जुड़ा हुआ था। असल में वह ज़मीन बेचना नहीं चाहता था। मज़बूरी के कारण ऐसा करना पड़ा। ज़मीन की विदाई उस केलिए असहनीय थी। उसका निःशब्द विलाप कोई सुन नहीं सकता था।

III. "ज़मीन एक स्लेट का नाम है" पाठ का यह अंश पढ़ें

"पिताजी के सूखे आँसुओं को कौन देख सकता था। कौन सुन सकता था उसके निःशब्द विलाप को।" शादी की तैयारियाँ देखकर दीदी का मन संघर्ष से भरा। वह इन कार्यों का उल्लेख अपनी डायरी में करती है। दीदी की डायरी 60-80 शब्दों में लिखें।

Ans.

25-5-1995 बिलासपुर: 9.30

इस परिवार में जन्म लेकर मैं कितना भाग्यशाली हूँ...? माता-पिता और भाई से मेरा रिश्ता हमेशा अटूट रहेगा। अब मेरी शादी के नाम पर पिताजी अपने प्राण यानी ज़मीन बेच रहा है। पिताजी मेरे जैसे ही ज़मीन को प्यार करते हैं। क्या मैं परिवारवालों केलिए एक बोझ बन गई है? यहाँ दो विदाईयाँ हो रही है – बेटी और ज़मीन की । दोनों पर पिताजी दुःखी है। काश, मेरे पिताजी को सबकुछ सहने की शक्ति मिले।

IV. आज के ज़माने में शादी के नाम पर आडंबर ही आडंबर हैं। सहायक बिन्दुओं की सहायता से "समाज में बढ़ती बडप्पन दिखाने की आदत"। विषय पर एक आलेख तैयार करें। **(8 Marks)**

(1) शादी के नाम पर बढ़ता आडंबर
(2) बडप्पन दिखाने का अवसर - शादी
(3) बढ़ती देहज–प्रथा
(4) अमीरों की नकल
(5) शादी – प्रेम का बंधन

शादी प्रेम का बंधन है। शादी को पैसों से तोल नहीं सकता। शादी आपसी विश्वास एवं समर्पण का मूल मंत्र है। आज हमारे समाज में शादी के नाम पर आडंबर दिखाने को आदत बढ़ती जा रही हैं। अपने बडप्पन दिखाने केलिए दूसरों के सामने आडंबर–प्रदर्शन एक रिवाज़ बन गया। अमीर मात्र नहीं, मध्यवर्गीय लोग एवं गरीब भी शादी में आडंबर दिखाना पसंद करते हैं। सबकुछ बेचकर और बैंको से ऋण लेकर वे आडंबर दिखाते हैं। अन्त में बैंक की धमकी आने पर ऋण चुकाने इधर-उधर दौडते हैं। देहज और आडंबर केलिए रुपए इकट्ठा करके मध्यवर्गीय लोग एवं आम आदमी पूरी तरह से क्षण के शिकार बन जाते हैं।

शादी के नाम पर व्याप्त इस आडंबर और दुर्व्यय को दूर करना ही चाहिए आज यह एक सामाजिक समस्या बन गई हैं। इससे ज़मीन में किसी भी प्रकार के सुकून या आराम नहीं मिलते हैं। ज़रूर ही शादी के नाम पर होनेवाला दुर्व्यय को रोकना ही चाहिए।

6. फिल्मी समीक्षा

1. 'ब्लैक' फिलम के आधार पर सही मिलान कीजिए। **(6)**

निदेशन	-	अमिताभ बच्चन
छायांकन	-	राणी मुखर्जी
ध्वन्याँकन	-	संजयलीला भंसाली
देवराज	-	आयशा कपुर
मिशैल	-	रवि.के.चन्द्रन
छोटी मिशैल	-	रसूल पूक्कुट्टि

Ans.

निदेशन	-	संजयलीला भंसाली
छायांकन	-	रवि.के.चन्द्रन
ध्वन्याँकन	-	रसूल पूक्कुट्टि
देवराज	-	अमिताभ बच्चन
मिशैल	-	राणी मुखर्जी
छोटी मिशैल	-	आयशा कपुर

2. किसी मनपसंद फिल्म की समीक्षा लिखें। **(8)**

Ans. 'शोले' एक हिन्दी एक्शन फिल्म है। इसकी कथा एवं पटकथा सलील जावेद की है। फिल्म का निर्माण गोपाल दास सिप्पी ने और निर्देशन का कार्य उनके पुत्र रमेश सिप्पी ने किया है। 'शोले' भारतीय सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में एक है। सन् 2005 में पचासवें फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में इसे पचास सालों की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला।

'शोले वेस्टर्न' और भारतीय शैली के सम्मिश्रण की फिल्म है। इसका फिल्माँकन कर्नाटक राज्य के रामनगर क्षेत्र के चट्टानी इलाकों में चला था। मौखिक प्रचार की सहायाता से 'शोले' बॉक्स ऑफीस पर बडी सफलता बनकर उभरी ।

कथानक : रामगढ़ नामक गाँव में सेवा निवृत्ति पुलिस अधिकारी ठाकूर बलदेव सिंह कुख्यात डकैत गब्बर सिंह को पकडने में दो चोरों को अपने गाँव लाते हैं, जय और वीरु (अमिताभ बच्चन एवं धेर्मन्द्र)। रामगढ़ में रहते हुए जय और वीरु धीरे-धीरे गाँववालों को पसंद करने लगे थे। जय को ठाकूर की विधवा बहु राधा (जया मादुरी) और वीरु को गाँव में ताँगा चलाने वाली बसन्ती (हेमा मालिनी) से प्यार हो जाता है। जय और वीरू से गब्बर की लडाई में जय मारा जाता है और अकेले वीरु गब्बर का पीछा करके उसे पकडकर ठाकूर को सौप देता है। वह अकेला गाँव

छोड़कर स्टेशन आता है तो वसन्ती वहाँ उसका इंतज़ार करती थी। राधा एक बार फिर अकेली ही रह जाती है तो फिल्म समाप्त होती है।

'शोले' हिन्दी भाषा में बनी एक क्लासिकल फिल्म है जिसकी पटकथा जितनी सरल है उतना उसके कैमरे का काम और संगीत की बात भी सुंदर। फिल्म के हर दृश्य एवं संवाद एक से बढ़कर एक मनोहर हैं। 'शौले' कोमडी, संगीत, नृत्य और लडाई का अपूर्व मिश्रण है। आर.डि.बर्मन के संगीत ने 'शोले' का स्थान हिन्दी फिल्म जगत् में चिरस्थायी बना दिया। "ये दोस्ती...." जैसे गीत इसकी शोभा और बढ़ाती है। द्वारका द्विवेचा ने इसका छायाँकन किया है। प्रत्येक शॉट अनुपम है। एम.एस.शिंदे ने संपादन का कार्य किया है जो बहुत स्वाभाविक लगता है। हिन्दी एवं उर्दू भाषा में बनी 204 मिनिट लंबी यह फिल्म हिन्दी फिल्म जगत् में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के सिनेमा जगत् में एक अनश्वर क्लासिकल फिल्म है।

3. मान लीजिए आपके स्कूल की फिल्म क्लब के उद्घाटन के सिलसिले में स्कूल के सभाग्रह में 'ब्लैक' फिल्म का प्रदर्शन होने वाला है। इसकेलिए एक नोटीस तैयार करें। **(8)**

Ans.

सरकारी उच्चमाध्यमिक विद्यालय

पत्तनमतिट्टा

फिल्म क्लब का उद्घाटन

2018 जुलाई 20 बुधवार 10 बजे स्कूल समागृह

मान्यवर,

सरकारी उच्चमाध्यमिक विद्यालय पत्तनमतिट्टा के फिल्म क्लब 'परछाई' का उद्घाटन मशहूर अभिनेत्री चाँदनी के द्वारा 2018 जुलाई 20 सुबह दस बजे को होनेवाला है। इस अवसर पर अध्यापक अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री गणेश कुमार अध्यक्ष भाषण देंगे और उच्चमाध्यमिक क्षेत्रीय उपनिर्देशक श्री केशव प्रभाकर मुख्य भाषण देंगे। इसके बाद, संजय लीला भंसाली के द्वारा निर्देशित 'ब्लैक' फिल्म का प्रदर्शन भी होगा। इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रथित है।

संयोजिका **प्राचार्य**

फिल्म क्लब **उ. मा. वि. पत्तनमतिट्टा**

UNIT - III

ज़मीन एक स्लेट का नाम है

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें। **(2 Marks)**

1. भविष्य निधि से भी कुछ हज़ार रुपए पिताजी निकाल लाए थे। क्यों?

Ans. अपनी बेटी की शादी की तैयारियाँ शुरू करने केलिए पिताजी भविष्य निधि से भी कुछ रुपए निकाल लाए थे।

2. रजिस्ट्री के पहले पिताजी को खेत देखने की इच्छा हुई, क्यों ?

Ans. कल रजिस्ट्री के बाद यह ज़मीन दूसरों की हो जाएगी। वे आज अपनी ज़मीन में जाना चाहते हैं। कल रजिस्ट्री के बाद यह ज़मीन अपनी नहीं रह जाएगी।

3. क्या ज़मीन एक स्लेट का नाम है जिसपर हमारे बचपन की कविता लिखी है? लेखक को अपनी ज़मीन किसके समान लगता है?

Ans. लेखक को अपनी ज़मीन एक स्लेट जैसे लगती है।

4. "मैं ज़मीन नहीं बेचता
बेचता हूँ हृदय...." – यहाँ ज़मीन की तुलना हृदय से क्यों की गई है?

Ans. पिताजी के मन में ज़मीन के प्रति गहरा लगाव था। जिसप्रकार अपनी बेटी के साथ हृदय का संबन्ध है, उसी प्रकार अपनी मिट्टी के साथ भी उनका सबंन्ध गहरा है।

II. निम्नलिखित प्रश्नों को उत्तर पाँच या छः वाक्यों में लिखिए।

1. कुछ और कीमत आ सकती थी। मगर मज़बूरी का फायदा सभी उठाते हैं। यहाँ "मज़बूरी का फायदा" से क्या तात्पर्य है?

Ans. लेखक के घर में शादी की तैयारियाँ शुरू करनी थी। रुपये इकट्ठा करने केलिए ज़मीन बेचना ज़रूरी था। ज़मीन को प्रति एकड बारह हज़ार रुपए मिले। इस से भी ज़्यादा मिल सकती थी। मोल-तोल का समय नहीं था। लेखक के इस मज़बूरी का फायदा खरीदार ने उठाया।

2. जिस दिन ज़मीन की रजिस्ट्री होनी थी, उसके एक दिन पहले पिताजी ने मुझे अपने साथ खेत चलने को कहा। रजिस्ट्री के पहले पिताजी को खेत देखने की इच्छा क्यों हुई?

Ans. पिताजी के मन में ज़मीन के प्रति गहरा लगाव था। असल में वह ज़मीन बेचना नहीं चाहता था। रजिस्ट्री तक उस ज़मीन पर उसका अधिकार रहेगा। रजिस्ट्री के बाद वह ज़मीन पराया बन जाएगी। इसलिए रजिस्ट्री के पहले अपने खेत देखने की इच्छा उसको हुई।

मंजिल की ओर

I. सही मिलान करें:– **(8 Marks)**

	Affidavit	-	जीवाणु
	Algebra	-	जैव विविधता
	Archaeology	-	वायुमंडल
	Atmosphere	-	औसत
	Atom	-	परमाणु
	Average	-	पुरातत्वशास्त्र
	Bacteria	-	बीज गणित
	Biodiversity	-	शपथ पत्र
Ans.	Affidavit	-	शपथ-पत्र
	Algebra	-	बीज गणित
	Archaeology	-	पुरातत्व शास्त्र
	Atmosphere	-	वायुमंडल
	Atom	-	परमाणु
	Average	-	औसत
	Bacteria	-	जीवाणु
	Biodiversity	-	जैव विविधता

II. सही मिलान करें:– **(8 Marks)**

	Philosophy	-	विषम संख्या
	Satelite	-	दर्शान शास्त्र
	Zoology	-	उपग्रह
	Physics	-	जंतुविज्ञान
	Discount	-	पेशगी
	Cess	-	भौतिकी
	Advance	-	बट्टा
	Odd number	-	उपकर
Ans.	Philosophy	-	दर्शन शास्त्र
	Satelite	-	उपग्रह
	Zoology	-	जंतुविज्ञान
	Physics	-	भौतिकी
	Discount	-	बट्टा
	Cess	-	उपकर
	Advance	-	पेशगी
	Odd number	-	विषमसंख्या

कार्यक्रम

20 जुलाई 2018

सबेरे 10 बजे	:	प्रार्थना
स्वागत भाषण	:	श्री रमाशंकर प्रसाद (प्राचार्य)
अध्यक्ष भाषण	:	श्री गणेश कुमार
उद्घाटन	:	कुमारी चाँदनी (फिल्म अभिनेत्री)
मुख्यभाषण	:	श्री केशव प्रभाकर
आशीर्वचन	:	सतीश कुमार (छात्र प्रतिनिधि)
कृतज्ञता	:	अनुपमा राजन (संयोजिका, फिल्म क्लब)

11.30 से फिल्मी प्रदर्शन 'ब्लैक'

निर्देशन....संजय लीला भंसाली।

7. संपादकीय

फेसबुक का उपयोग- दम्पति की आत्माहुति

1. काक्कनाडु : एरणाकुळम जिले के काक्कनाडु में पति और पत्नी ने फ्लैट के अन्दर आत्माहुति की। रमेश (32) और षानू (29) दोनों वहाँ सोफ्टवेयर इंजिनीयर थे, जिनकी लाशों के समीप एकमात्र नन्ही बेटी मुन्ना (3) सो रही थी। पडोसी फ्लैट के निवासियों ने कहा रमेश और षानू के बीच फेसबुक के उपयोग के संबन्ध में हर दिन झगडा होता था.....

सूचना : निम्नलिखित समाचार पढ़ें और युवापीढ़ी और मोबाईल फोण विषय पर एक संपादकीय तैयार करें। **(8)**

Ans.

नवभारत टाईमस

जून 20, 2018 बुधवार।

मोबाईल फोण, नायक या खलनायक?

वैज्ञानिक प्रगति के कारण आज संचार माध्यमों के क्षेत्र में जो बदलाव आया है, वह नई पीढ़ी की ज़िन्दगी में एक प्रश्न-चिह्न लगा दिया है। चतुर्थ पीढ़ी (4 जी) के हैन्टसेट एवं त्री-जी स्पेक्ट्रम के आगमन से मोबाईल फोन उपभोक्ताओं की संख्या में करोड़ों की वृद्धि हुई है। आज नन्हे बच्चों से लेकर बूढ़ों तक के लोग स्मार्ट फ़ोन का निरन्तर इस्तेमाल करते हैं। इनके लगातार उपयोग से दिन-प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की शारीरिक तथा मानसिक दशा खराब हो जाती है। विनाशकारी विकिरण यदि लोगों के स्वास्थ्य केलिए हानिकारक है तो मोबाईल पर फेसबुक, वाट्सआप आदि समाज माध्यमों के निरन्तर उपयोग के कारण लोग जाने अनजाने इनके गुलाम हो जाते हैं। यहाँ तक कि एक ही परिवार के लोगों के बीच विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता है। इसलिए आजकल पारिवारिक विघटनों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। हाल ही में एरणाकुलम के काक्कनाडु में हुई आत्माहुति इसका प्रमाण है। षानू, जिसके मोबाईल फोण के उपयोग में पति रमेश के साथ झगड़ा होता था और आज वह उन दोनों की आत्महुति तक पहुँची। मोबाईल फोण तथा इन्टरनेट से काफी लाभ हैं। शिक्षा, स्वाथ्य, खेलकूद, कृषि, विज्ञान आदि सभी क्षेत्रों में ये उपयोगी हैं। मगर इसके उपयोग में हमें नियंत्रण लाना है, अतः इसका सदुपयोग करें तो मानव की प्रगाति में नायक के समान है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग करें तो यह मानव जीवन में खलनायक के समान भी होगा।

दोस्ती

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक था दो वाक्यों में लिखिए।

1. "मेरी जीत तेरी जीत
   तेरी हार मेरी हार" – सच्ची दोस्ती कैसी होती है?

Ans. यहाँ दो दोस्त अपनी दोस्ती के बारे में कहते हैं। एक की जीत दूसरे की जीत है और एक की हार दूसरे की हार है। – यही सच्ची दोस्ती का निशान है।

2. "सारी ज़िन्दगी ये दोस्ती....." – सारी ज़िन्दगी कवि कैसे जीना चाहते हैं?

Ans. सारी ज़िन्दगी वे खाना पीना साथ करना चाहते हैं जीना-मरना भी साथ चाहते हैं। वे कभी अपनी दोस्ती नहीं छोड़ेंगे।

3. "जान पे भी खेलेंगे
   तेरे लिए ले लेंगे...
   सबसे दुश्मनी..." – यहाँ दोस्त दूसरों से क्यों दुश्मनी लेना चाहता है ?

Ans. दोस्ती में एक दूसरे केलिए अपनी जान पर खेलेंगे और दूसरों से दुश्मनी भी लेंगे। वे कभी अपनी दोस्ती नहीं छोड़ेंगे।

4. दोस्ती फ़िल्मी गीत की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें।

Ans. देश में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार को गति देने में हिन्दी फिल्मी गीतों की अहम भूमिका रही हैं। हिन्दुस्तान की सार्वकालिक बेहतरीन फिल्म शोले का सुन्दर गीत है दोस्ती। इस गीत में आनंद बखशी ने दोस्ती का सच्चा स्वरूप प्रस्तुत किया है।

गीत में दो दोस्त कभी अपनी दोस्ती न तोड़ने की इच्छा प्रकट करते हैं। दम तोड़ने पर भी वे अपनी दोस्ती नहीं छोड़ेंगे। एक की जीत दूसरे की जीत है और एक की हार दूसरे की हार है। दोनों का गम और जान एक ही है। एक दूसरे केलिए अपनी जान पर खेलन केलिए भी तैयार है। दोस्ती कायम रखने केलिए वे दूसरों से दुश्मनी भी ले लेंगे। लोगों के सामने वे दो शरीर नज़र आएँगे। लेकिन वे दो नहीं एक है। खुदा से उनकी प्रार्थना है कि वे कभी विदा न रहे, आपस में कभी नाराज़ न हो।

सारी ज़िन्दगी वे खाना-पीना साथ करेंगे, जीना-मरना भी साथ...। वे कभी अपनी दोस्ती नहीं छोड़ेगे। गीतकार ने यहाँ दोस्ती को संसार के सबसे पवित्र बंधन माना है – जो अब भी प्रासंगिक है।

मेरेलाल

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2 Marks)**

1. "सुतमुख देखी जसोदा फूली।" - यशोदा क्यों खुश हुई?

Ans. अपने बेटे का चेहरा देखकर यशोदा खुश हुई।

2. "तनु की सुधि भूली" – यशोदा अपने आपको क्यों भूल गई?

Ans. बालकृष्ण के दूध जैसे दाँतों का सौन्दर्य देखकर वह अपने आप को भूल गई।

3. कृष्ण-भक्ति शाखा की विशेषताओं को जोड़कर इस पद की व्याख्या कीजिए।

Ans. भक्तिकाल की कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि सूरदास द्वारा रचित इस पद में भगवान श्रीकृष्ण की बाललीलाओं का वर्णन है। श्रीकृष्ण के प्रति अपनी असीम भक्ति प्रकट कर सूरदास ने यहाँ बाललीला का वर्णन किया है।

बालकृष्ण का मोहक रूप देखकर यशोदा अपने आप भूल जाती है। वह अपने पति नन्द को बुलाकर पुत्र के इस सुखदाई रूप को देखने को कहती है। उसके छोटे-छोटे दाँतों को देखकर वह भाव-विभोर हो जाती है। सूर ने यहाँ कृष्ण के दाँतों की तुलना लाल कमल पर जम गई बिजली से की है। बालकृष्ण का सौंदर्य अनुपम है, उसकी चेष्टाएँ हृदयहारी तथा अतुलनीय है।

2. जबहि बन मुरलि.....नवल हरी।। पृ.सं. 40

Ans. भ्रमर-गीत के इस पद में सूर ने कृष्ण की मुरली की माधुरी तथा गोपिकाओं के प्रेम का वर्णन किया है। जब वन में मुरली का स्वर सुनाई देता है तब गोपिकाएँ चकित होकर काम-काज भूल जाती है। कुल की मर्यादा तथा धर्मग्रन्थों का अनुशासन भूलकर वे मुरली गीत के पीछे पड़ जाती हैं। पति, पुत्र, घर-बार, लोक -लाज आदि की चिंता के बिना वे कृष्ण रूपी सिन्धु में सरिता के समान विलीन हो जाती है। चतुर कृष्ण नित्य नये तरीके से गोपिकाओं को हर लेते हैं।

8. चाँद और कवि

रामधारी सिंह दिनकर

सूचना: कविताँश पढ़कर उत्तर लेखें:

"रात यों कहने लगा मुझसे गगन का चाँद
आदमी भी क्या अनोखा जीव होता है!
उलझनें अपनी बनाकर आप ही फ़ँसता
और फिर बेचैन हो जगता न सोता है।"

1. चाँद ने कवि से क्या कहा? **(1)**

Ans. चाँद ने कवि से कहा कि आदमी एक अनोखा जीव है।

2. आदमी क्यों नहीं सोता है? **(2)**

Ans. आदमी उलझनें बनाकर स्वयं उसमें फँस जाता है, इसलिए वह बेचैन होकर न सोता है।

कोष्ठक से उत्तर चुनकर लिखए :-

3. "मैं चुका हूँ देख मनु को जनमते-मरते" – कौन मनु को देख चुका है? **(1)**
(मनुपुत्र, मानव, चाँद, कवि)

Ans. चाँद

4. "मैं ने बोला मेरी रागिनी बोली" - किसकी रागिनी बोली? **(1)**
(चाँद की, मनु की, कवि की)

Ans. कवि की

5. "स्वर्ग की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं ये," यहाँ कवि ने किसका संकेत किया है? **(1)**

Ans. यहाँ कवि ने स्वप्न देखनेवाले कविगण का संकेत किया है।

6. 'चाँद और कवि' कविता के आधार पर सही मिलान करें– **(4)**

कल्पना की जीभ में	-	कवि
आदमी	-	बुलबुला
स्वपन देखनेवाला	-	धार
आदमी का स्वपन	-	अनोखा जीव

Ans.

कल्पना की जीभ में	-	धार
आदमी	-	अनोखा जीव
स्वप्न देखनेवाला	-	कवि
आदमी का स्वपन	-	बुलबुला

7. विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखें:- **(6)**

'मैं न वह जो स्वपन पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाती हूँ
और उसपर नींव रखती हूँ नए घर की
इस तरह दीवार फैलादी उठाती हूँ।

Ans. रामधारी सिंह दिनकर राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विचार धारा के कवि हैं। उनकी रचनाओं में प्रणय की राग और क्रांति की आग देख सकते हैं। उन्होंने तत्कालीन हिन्दी कविता को यथार्थ के धरातल पर खड़ा करने का प्रयास, किया। 1972 का भारतीय 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार उनकी 'उर्वशी' काव्य को प्राप्त हुआ। कुरुक्षेत्र, रेणुका, हुँकार आदि उनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं।

'चाँद और कवि' की प्रस्तुत पंक्तियों में कवि चाँद के उपहास का जवाब देते हैं। चाँद के अनुसार कवियों का सपना केवल पानी का बुलबुला है। आदिमानव मनु से ही स्थिति ऐसी ही है। लेकिन कवि कहते हैं, वे केवल स्वप्न पर विचरण करनेवाले नहीं मगर सपने को आग में गलाकर हथियार बनानेवाले हैं। नए घर की मतलब, राष्ट्रनिर्माण की नींव वास्तव में कवि गण ही अपने सपने में डालते हैं। अतः स्वतन्त्र राष्ट्ररूपी भव्यभवन की दीवार को सशक्त बनाने का पवित्र कर्म कवियों के ही हाथों से सम्पन्न होता है।

इस प्रकार 'चाँद और कवि' कविता के माध्यम से दिनकरजी कहते हैं कि कवि कलाकारों के सपने ही यथार्थ का रूप धारण करते हैं और उन सपनों की नींव पर ही समाज का भविष्य खड़ा किया जाता है।

2. सूचना: गद्यांश पढें और नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(दिनांक 6 जून को ..... विशेष योगदान रहा है।) पृ.सं. 33

(क) किन-किन देशों के बीच पुराने भाषाई संबन्ध है? **(2 Marks)**

Ans. भारत और सूरीनाम के बीच ।

(ख) गद्यांश का संक्षेपण करें और शीर्षक दें? **(6 Marks)**

Ans. **विश्व भाषा-हिन्दी**

दिनांक 6 जून को सूरीराम में विश्व हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति रुनाल्डो वेनेत्सियायन ने किया। उनके अनुसार सूरीनाम और भारत के बीच हिन्दी के माध्यम से एक प्रगाढ़ संबन्ध है। आज विश्व की एक प्रमुख भाषा के रूप में हिन्दी उभर रही हैं।

3. हिन्दी के प्रचार-प्रसार में फिल्मी गीतों की विशेष भूमिका है। संकेतों के आधार पर टिप्पणी लिखिए।

(क) जन साधारण को प्रभावित करनेवाला

(ख) हिन्दी के प्रति रुचि उत्पन्न करनेवाला

Ans. पूरे विश्व में हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार में हिन्दी फिल्मी गीतों की अहम भूमिका है। भारत के सुदूर देशों में जहाँ हिन्दी भाषा का नामोनिशान तक नहीं था, वहाँ फिल्मी गीतों ने आकाशवाणी के माध्यम से हिन्दी को संपर्क भाषा का दर्जा दिया। जन साधारण को प्रभावित करनेवाले हिन्दी फिल्मी गीतों का चमत्कार अभी जारी है।

UNIT - II

सूरीनाम में पहला दिन

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए। **(2 Marks)**

1. भूगोल की पुस्तकों में कभी पढ़ा था – भूमध्यरेखीय प्रदेशों में भीषण गर्मी पड़ती है। प्रायः प्रतिदिन बारिश। संसार में सबसे अधिक घने वन इसी क्षेत्र में पाए जाते हैं। – हिमांशु जोशी के अनुसार सबसे अधिक घने वन कहाँ पाए जाते है?

Ans. हिमांशु जोशी के अनुसार संसार के सबसे अधिक घने वन भूमध्य रेखीय प्रदेशों में पाए जाते हैं।

2. सूरीनाम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार में, हिन्दी को आम आदमी तक पहुँचाने में हिन्दी फिल्मों तथा संगीत का भी विशेष योगदान रहा है। हिन्दी चलचित्रों के प्रति सूरीनाम के भारतवंशियों का ही नहीं, अन्य सूरीनाम लोगों का भी गहरा लगाव है। सूरिनाम में एक प्रमुख भाषा के रूप में हिन्दी भी उभर आने में किसकी भूमिका रही है?

Ans. हिन्दी चलचित्रों तथा फिल्मी गीतों की बड़ी भूमिका है।

3. "कहीं ऐसा अहसास हो रहा था जैसे एक सौ तीस साल से बिछुडे बंधु आज फिर गले मिल रहे हैं।" यहाँ लेखक किस समारोह की ओर संकेत करता है?

Ans. सूरीनाम में आयोजित सातवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन की ओर संकेत करता है।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. सातवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन सूरीराम में होनेवाला है। उसकेलिए एक आकर्षक पोस्टर तैयार करें।

Ans. **(2 Marks)**

सातवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन

2003 जून 6 से 9 तक

परामानिबो, सूरीनाम

मीठी हिन्दी .... मीठा संबन्ध

हिन्दी-सांस्कृतिक एकता की कड़ी

"सभी का स्वागत"

9. आनन्द की फुलझडियाँ

उत्तर कोष्ठक से चुनकर लिखिए :-

1. "मैं नहीं खा सकता तो क्या हुआ बेटा तुम तो खा सकोगे?" किसने किससे कहा? **(1)**

(संभ्रान्त महिला ने लेखक से, फ्रानिक्लन ने छत्र से,
लेखक ने पुत्र से, बुढ़ा आदमी ने युवक से)

Ans. बूढ़ा आदमी ने युवक से

2. सुन्दर फलों और फूलों के बीच किसने फेंक दिए? **(1)**

(यात्री ने, संभ्रान्त महिला ने, टिकट बाबू ने, लेखक ने)

Ans. संभ्रान्त महिला ने

3. "मुझे याद तो नहीं है कि मैं ने यह रकम आपको कब दी? किसका कथन है? **(1)**

(एबहाम लिंकण का, बिल क्लिंटन का, जॉर्ज वाशिडन का, बेंचमिन फ्राँक्लिन का)

Ans. बेंचमिन फ्राँक्लिन का

4. इस लड़ाई ने रेलवे कर्मचारियों पर तो बेहद काम का बोझ डाल दिया है, यह किसका कथन है?

(टिकट बाबू का, संभ्रान्त महिला का, लेखक का, नव युवक का) **(1)**

Ans. लेखक का

5. हाईस्कूल में हस्तलिपि के लिए किसको पहला पारितोषिक मिला था? **(1)**

(टिकट बाबू को, छात्र को, लेखक को पुत्र को, बैंक के क्लार्क को)

Ans. बैंक के क्लार्क को

6. मान लिजिए आप के स्कूल के पर्यावरण क्लब के नेतृत्व में पर्यावरण दिवस का समारोह होनेवाला है। आम की गुठलियाँ बोनावाले बुजुर्ग उस अवसर पर मुख्य भाषण देंगे। उस समारोह के लिए एक आकर्षक पोस्टर करें:- **(4)**

Ans.

सरकारी उच्च माध्यमिक
विद्यालय एरणाकुलम
पर्यावरण दिन का समारोह
जून 5 2018 - सबेरे 10 बजे
"पेड़ लगाओ, पर्यावरण संतुलन को कायम रखो
अध्यक्ष : स्कूल प्राचार्य
मुखया भाषण : श्री कमलेश्वर प्रसाद
(प्रमुख पर्यावरणविद्)
स्कूल पर्यावरण क्लब

7. बेंचमिन फ्रानक्लिन से डॉलर उधार लेनेवाले छात्र ने वह रकम उन्हें लौटा दी तो फ्रंक्लिन ने स्वीकार नहीं किया । छात्र इसका उल्लेख अपनी डॉयरी में करता है। वह डायरी तैयार करें। **(6)**

Ans. कालिफोर्णिया 20 जून 1967 10 बजे, रात...

प्रिय राष्ट्रपति जी.... एक बिग् सल्यूट.... आपने आज हमारे राष्ट्र के गौरव को एक और बार विश्व के सामने ऊँचा करके दिखाया। अमरीका..... अमरीका.... मेरे दिल में अपने देश के प्रति प्यार उमड़ रहा है। केवल भौतिक संपत्ति में ही नहीं जनता के आत्मसम्मान को बढ़ाने में और मुझ जैसे मामूली तथा गरीब बालकों को हाथ बँटाने पर भी आप ध्यान देते हैं.... यह 20 डॉलर इससे ही मेरी ज़िन्दगी खिल उठी है... यदि वह रकम न मिली तो.... हाय... मेरा जीवन... याद भी नहीं कर सकता... मैं किसी का गुलाम हो जाता... जैसा ही फ्रांक्लिन महाशय ने फर्माया मैं इसे अपनी अगली पीढ़ी के हाथों में सौंपा देगा.... और मेरे देश की ख्याति को आसमान तक पहुँचाउँगा.... ज़रूर.... ज़रूर....।

8. लडाई के कारण रेलवे ने गाडियों की संख्या कम कर दी थी, इसलिए स्टेशन पर काफ़ी भीड़ है। उस अवसर केलिए एक उचित उद्घोषणा की कल्पना करके लिखें :- **(4)**

Ans. यात्रियों कृपया ध्यान दीजिए,

शेहर के आसपास के इलाकों में दंगा फैल जाने के कारण मुम्बई सी.टी.स्टेशन के पास तनाव का जो माहौल है, इससे यात्रियों को सतर्क रहना है। स्टेशन की ओर आनेवाली गाडियों से पहले यात्रियों को उतरने दें। रेल पार करने के लिए पैदल पुल का इस्तेमाल करें। टिकट कॉऊँटर पर भीड़ और शोर मत मचाइए ताकि सब को टिकट लगा दें। लूट-पाट की संभावना होने के कारण बच्चों एवं कीमती चीज़ों पर अधिक ध्यान दें। पुलिस अधिकारियों के निर्देशों का सख्त पालन करें....

धन्यवाद....

2. बादशाह के चरित्र पर टिप्पणी कीजिए। **(4 Marks)**

Ans. प्रजा-हित का विचार रखनेवाले एक बादशाह का चित्रण यहाँ हुआ है। अपने दिल्लीवालों के प्रति उनके मन में गहरा प्यार एवं लगाव है। न्यायप्रिय उस बादशाह को अपनी प्रजा की ओर से पर्याप्त मात्रा में प्यार मिला था। कैद में रहकर दिल्लीवालों के बारे में वे सोचते हैं उनकी दशा पर रोते हैं। एक आदर्श शासक का चित्रण यहाँ मिलता है।

पाठ - 3
मेरे भारतवासियों .....

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2 Marks)**

1. "आज हम दुर्भाग्य के एक युग का अंत कर रहे हैं" – नेहरूजी यहाँ किसकी ओर इशारा करते हैं?

Ans. यहाँ नेहरू आज़ादी की ओर इशारा करते हैं। विदेशी शासन से हमें मुक्ति मिली और यहाँ स्वतंत्रता का उदय हुआ है।

2. "भारत की सेवा का अर्थ है लाखों-करोड़ों पीडितों की सेवा करना। इसका मतलब है गरीबी और अज्ञता को मिटाना।" नेहरू के अनुसार सचमुच भारत की सेवा का मतलब क्या है?

Ans. गरीबी और अज्ञता को मिटाना।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(कई वर्षों पहले हम ने नियति को मिलने का एक वचन दिया था ..... प्रतिज्ञा ले रहे हैं।) पृ.सं.22

1. नेहरू के अनुसार, आज सारी दुनिया सोते वक्त, भारत की हालत क्या होगी.... ? **(2 Marks)**

Ans. आज भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा।

2. प्रस्तुत गद्यांश का संक्षेपण करें और शीर्षक दें। **(6 Marks)**

Ans. **नई सुबह**

वर्षों पहले दिया गया वचन आज स्वतंत्रता की इस नई सुबह से हम निभाएँगे। गुलामी के अंत के इस मौके पर हम देश और सारी मानवता की सेवा केलिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

बेटी के नाम

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए। **(2 Marks)**

1. "अभी तो हम लकड़ी की भीगी हुई कब्र में ज़िन्दा ही दफन हैं।" यहाँ बादशाह किसको मौन मानते हैं?

Ans. बादशाह गुलामी को मौन मानते हैं।

2. "मैं तो ज़िन्दा बैठा है। वे तो बिना आई मौत मर गए।" यहाँ बादशाह किसकी ओर इशारा करते हैं ?

Ans. यहाँ बादशाह दिल्लीवालों की ओर इशारा करते हैं।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच या छः वाक्यों में लिखिए।

1. कैदी बाप को बेटी का खत एक आँसूनामा था। क्यों ?

Ans. बाप और बेटी दोनों अंग्रेज़ों की कैद में थी। कैदी होने के कारण दोनों आपस में मिल नहीं सकते थे। ज़िन्दा मिलने की प्रतीक्षा भी खतम हुई थी। बेटी की परेशानियाँ एवं दिल्लीवालों की यातना का दर्द भरा चित्र खत में था। इसलिए बादशाह को बेटी का खत आँसूनामा जैसे लगा।

2. "दिल्लीवाले मुझको रोते होंगे..... मैं भी उनको रोता हूँ...." यहाँ शासक का कौन-सा गुण प्रकट होता है?

Ans. यहाँ न्यायप्रिय एवं प्रजा के हित केलिए अपने को समर्पित एक शासक का चित्र है। बादशाह के कथन से दिल्लीवासियों के प्रति उनका प्रेम प्रकट होता है। दिल्लीवालों से उनको भी पर्याप्त मात्रा में प्यार मिलता था।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. बेटी के आँसूनामा ने बादशाह के मन को विचलित कर दिया। वे उस दिन की डायरी में इसका जिक्र करते हैं। वह डायरी तैयार करें। **(6 Marks)**

Ans. **डायरी**

1958 : बेटी का खत.... क्या वह आँसूनामा था? खत ने मुझे सचमुच रुला दिया। मैं रोया, बेटा भी रोया। बीवी, बेटी परिवारवाले, दिल्लीवाले..... सब कितने दुःखी होंगे। मेरे देशवासियों की हालत क्या होगी? मेरे लिए... देश केलिए कितने लोग शहीद हो गए। अल्लाह! यह गुलामी असहनीय है। आप इनपर क्षमा करें।

10. पत्थर की बेंच

चन्द्रकान्त देवताले

सूचना : कोष्ठक से उत्तर चुनकर लिखिए :-

1. चन्द्रकान्त देवताले की कविता कौन सी है? **(1)**

(चाँद और कवि, मधुऋतु, पत्थर की बेंच, कहना नहीं आता)

Ans. पत्थर की बेंच

2. "अपने कुचले हुए सपनों को कौन सहला रहा है?" **(1)**

(रिटायर्ड बूढ़ा, बच्चा, कवि, युवक)

Ans. युवक

3. "पत्थर की बेंच
जिसपर अंकित है आँसू, थकान
विश्राम और प्रेम की स्मृतियाएँ..." - कवितांश का भाव स्पष्ट कीजिए:- **(6)**

Ans. चन्द्रकान्त देवताले समकालीन हिन्दी कविता के सशक्त हस्ताक्षर हैं। साथ ही साथ वे पुरानी पीढ़ी के अग्रणी कवि एवं नूतन विचारधारा के वाहक भी हैं। 'पत्थर की बेंच' कविता में वर्तमान पीढ़ी की पुकार को देवताले ने वाणी दी है।

'पत्थर की बेंच' कविता के प्रथम भाग में कवि देवताले ने एक रोता हुआ बच्चा, थका युवक, रिटायर्ड बूढ़ा और एक प्रेमी-प्रेमिका का चित्रण किया है जो अपने आँसू, थकान, विश्राम और प्रेम की स्मृतियाँ एक पत्थर की बेंच पर उतार देते हैं। यहाँ पत्थर की बेंच ऐसे ऐतिहासिक स्मारकों एवं सार्वजनिक स्थानों का प्रतीक है जिनका सर्वनाश आज हो रहा है।

कविता की अंतिम पंक्तियों में इन सार्वजनिक स्थानों के नष्ट हो जाने की आशंका भी व्यक्त हो जाती है, जो समाज के तमाम लोगों को किसी न किसी प्रकार तसल्ली देते हैं।

4. मान लीजिए आपके इलाके के एक सार्वजनिक मैदान के स्थान पर पंचायत ने एक शॉपिंग मॉल के निर्माण करने का, फैसला लिया है। इसका उल्लेख करते हुए दैनिक जागरण के संपादक के नाम पर अपने क्लब की ओर से एक पाठक नामा लिखें:- **(6)**

Ans. **सार्वजनिक मैदान नष्ट न होने दें।**

इटावा नगर पंचायत के सैकड़ों बच्चों एवं युवा खिलाडियों का एक मात्र सार्वजनिक मैदान आज सार्वनाश का सामना कर रहा है। इसके स्थान पर बहुमंजिले शॉपिंग मॉल के निर्माण

करने फैसला पंचायत ने लिया है और इसकी प्रारंभिक कार्यवाईयाँ शुरु हुई है। आगामी पीढ़ी के खेलकुद के स्थानों को चकनाचूर करनेवाले इस फैसले के खिलाफ़ इलाके के निवासियों को प्रतिरोध करना है और अधिकारियों के सामने इसके नतीजे के प्रति सचेत करना भी है।

रमेश पाण्डे
सचिव
फो. 9754843356
गान्धी युवसमिति
इटानगर।

पाठ - 2

ജയിലിൽ നിന്നെഴുതിയ ഒരു കത്തിന്റെ മാതൃക

സധൈര്യം കൊലമരത്തിലേക്ക്

ലാഹോർ സെൻട്രൽ ജയിൽ

1930 നവംബർ

പ്രിയ സഹോദരാ,

വിധി പ്രഖ്യാപിക്കപ്പെട്ടു കഴിഞ്ഞു. എനിക്ക് വധശിക്ഷയാണ് വിധിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നത്. ഇവിടെ ഈ ജയിലറകളിൽ എന്നെക്കൂടാതെ മറ്റ് പല തടവുകാരും തൂക്കിക്കൊല നടക്കുന്ന ദിവസം കാത്തിരിക്കുകയാണ്. ഈ ആളുകളുടെ ഏകപ്രാർത്ഥന എങ്ങനെയെങ്കിലും കൊലക്കയറിന്റെ കുരുക്കിൽ നിന്നും രക്ഷപ്പെടണം എന്നാണ്. ഒരുവേള ഇവർക്കിടയിൽ ഞാൻ മാത്രമായിരിക്കാം, എന്റെ ആദർശത്തിനു വേി കൊലമരത്തെ ആശ്ലേഷിക്കാനുള്ള ഭാഗ്യം ലഭിക്കുന്ന ആ ദിവസത്തെ ആകാംക്ഷയോടെ കാത്തിരിക്കുന്ന ഏക മനുഷ്യൻ. ഞാൻ സന്തോഷത്തോടെ കൊലമരത്തിൽ കയറും. അങ്ങനെ വിപ്ലവകാരികൾ എത്രമാത്രം ധീരതയോടെയാണ് തങ്ങളുടെ ലക്ഷ്യത്തിന് വേി ജീവൻ ത്യജിക്കുന്നത് എന്ന് ലോകത്തിന് കാട്ടിക്കൊടുക്കും. എനിക്ക് വധശിക്ഷയാണ് വിധിച്ചിരിക്കുന്നത്. നിങ്ങൾക്ക് വിധിച്ചിരിക്കുന്നത് ജീവപര്യന്തം നാടുകടത്തലിനുള്ള ശിക്ഷയാണ്. നിങ്ങൾ ജീവിക്കും. അങ്ങനെ ജീവിക്കുമ്പോൾ നിങ്ങൾ ലോകത്തിന് കാട്ടിക്കൊടുക്കേത്, വിപ്ലവകാരികൾ തങ്ങളുടെ ആദർശത്തിന് വേി മരിക്കാൻ തയ്യാറാവുക മാത്രമല്ല ചെയ്യുന്നത്, ഏത് അത്യാപത്തിനെയും ധീരമായി നേരിടാൻ അവർ തയ്യാറാണ് എന്നാണ്. .....
.....

താങ്കളുടെ
ഭഗത്സിംഗ്

विख्यात रचनाएँ हैं। 1954 में उन्हें पद्मभूषण का पुरस्कार मिला। द्विवेदी युगीन राष्ट्रीय काव्य धारा के इस प्रमुख कवि का निधन 1965 को हुआ।

2. मातृभूमि से कवि का बचपन कैसे जुड़ा है?

कवि मातृभूमि से अपना घनिष्ठ संबन्ध मानते हैं। बचपन में मातृभूमि के रच पर रेंगकर वे बड़े हुए हैं। इसी धरती पर अपने घुटनों के बल पर वे खडे हुए हैं। बचपन में मातृभूमि से उन्होंने अतुलित आनंद पा लिया है।

III. समकालीन संदर्भ से जोड़कर कवितांश की आस्वादन टिप्पणी तैयार करें। (6)

(जिसके रज.....बनी हुई है) पृ.सं. 10

Ans. गुप्तजी द्विवेदी युगीन राष्ट्रीय काव्यधारा के सशक्त कवि हैं। द्विवेदी युगीन कविता राष्ट्रीयता तथा देशप्रेम की भावनाओं से प्रेरित रही। मातृभूमि कविता में कवि मातृभूमि का गुण-गान प्रस्तुत करते हैं।

कवि कहते हैं कि मातृभूमि की धूल में लोट-लोट कर हम बड़े हुए हैं। इसी धरती पर घुटनों के बल रेंग-रेंगकर हम खडे हुए हैं। इसी मातृभूमि में रहकर हमने रामकृष्ण परमहंस सम परमानंद पाया। हम इसी भूमि की गोद में खेल कूदकर हर्ष का अनुभव करते हैं। इसलिए हे मातृभूमि तू जननी है। यहाँ हम जितना भी सुख पाते हैं, सब तेरा दिया हुआ है। यह देह भी तेरे द्वारा दी गई है।

यहाँ सरल शब्दों में कवि ने मातृभूमि केलिए अपनी जान समर्पित करने का आह्वान किया है। आज भी देश के कोने-कोने में देश प्रेम की ज़रूरत पर चर्चा हो रही है। आतंकवाद, सांप्रदायिकता, जातिवाद आदि को रोकने केलिए देशप्रेम की भावना की ज़रूरत है।

11. सृजन की ओर.....

आनुवाद

सूचना:- अंग्रेज़ी के निम्नलिखित पाठकनामा पढ़कर नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखें।

Street Lights On During Day Time

For the past one month, street lights have been on during day time at a street in Bengalur's Basaweshwar Nagara. It leading to loss of precious electricity. Though we posted letter to both, Department of Municipality and Electricity Officers, there has been no response.

Govardankrishna

Banglauru

1. इस पाठकनामा का विषय क्या है? **(1)**

Ans. दिन में प्रकाशित सड़क के किनारे के लैंप।

2. गली के सड़क लैंप कब से प्रकाशित है? **(1)**

Ans. गली के सड़क के लैंप पिछले एक महीने से प्रकाशित है।

3. किस गली के लैंप दिन में प्रकाशित है? **(1)**

Ans. बेंगलुरू शहर के बसवेश्वरनगर गली के लैंप।

4. दिन में लैंप के प्रकाशन से क्या नष्ट हो रही है? **(1)**

Ans. दिन में लैंप के प्रकाशन से बिजली नष्ट हो रही है।

5. किन-किन के नाम पर शिकायती पत्र भेजा है? **(1)**

Ans. नगर पालिका और बिजली विभाग के अधिकारियों के नाम पर।

सूचना: हिन्दी में अनुवाद करें

1. Due to Heavy rain we cancelled our journey. **(1)**

Ans. भारी वर्षा के कारण हमने अपनी यात्रा रद्द कर दी।

2. Prime Minister is delivering the speech. **(1)**

Ans. प्रधानमंत्री भाषण दे रहे हैं।

3. Mohan will report the match in Mumbai. **(1)**

Ans. मोहन मुम्बइ मैच की रपट देगा।

4. All students are requested to keep their classroom clean. **(1)**

Ans. सभी छात्रों से अनुरोध है कि वे अपनी कक्षा साफ-साफ रखें।

5. Annual examination will commence on 12th March. **(1)**

Ans. मार्च 12 को वार्षिक परीक्षा शुरू होगी।

12. दुःख

चन्द्रकान्त देवताल

सूचना : कोष्ठक से उचित उत्तर चुनकर लिखिए :-

1. दुःख कहानी किसकी रचना है? **(1)**

(प्रेमचन्द, सुकेश साहनी, धनपाल, यशपाल)

Ans. यशपाल

2. दिलीप से किसने मोटर-साइकिल माँगा? **(1)**

(लड़के ने, हेमा ने, छोटे भाई ने, पार्क के पहरेदार ने)

Ans. छोटे भाई ने

3. हेमा दिलीप से रूठी रहकर कहाँ चली गयी? **(1)**

(सिनेमा के लिए, कार्यालय में, सहेली के घर, माँ के घर)

Ans. माँ के घर

4. "चलो मुझे भी उधर से ही जाना है। रास्ते में तुम्हारे घर से पैसे ले लूँगा" - किसने किससे कहा? **(1)**

(लड़के ने दिलीप से, छोटे भाई ने दिलीप से, दिलीप ने माँ से, दिलीप ने लड़के से)

Ans. दिलीप ने लड़के से

5. कौन स्कूल में लड़कियों को घर से बुला लाने का काम करती थी? **(1)**

(हेमा, लड़के की माँ, दिलीप की माँ, जगतू की माँ)

Ans. जगतू की माँ

6. सूचना: गद्यांश के आधार पर उत्तर लिखिए :-

"दिलीप ने हेमा को पूर्ण स्वतन्त्रता दी थी। वह उसका कितना आदर करता था, कितनी आंतरिकता वह उसके प्रति अनुरक्त था। बहुत से लोग उसे अति कहेंगे। इस पर भी जब वह हेमा को संतुष्ट न कर सका और हेमा केवल दिलीप के, उसकी सहेली के साथ सिनेमा देख आने के कारण, रात भर रूठी रह कर सुबह उठते ही माँ के घर चली गई, तब दिलीप के मन में क्षोभ का अंत न रहा"।

1. दिलीप ने किसको पूर्ण स्वतन्त्रता दी थी? **(1)**

Ans. दिलीप ने हेमा को पूर्ण स्वतन्त्रता दी थी।

2. बहुत से लोग उसे अति कहेंगे। किसे? **(2)**

Ans. दिलीप ने अपनी पत्नी हेमा को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी, उसका अत्यंत आदर करता था और बडी आंतरिकता से वह उसके प्रति अनुरक्त भी था, इसे लोग आति कहेंगे।

UNIT - I

पाठ - 1

मातृभूमि

कविता

मैथिली शरण गुप्ता

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखिए :- **(2 Marks)**

1. "नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं" – मातृभूमि के आभूषण क्या-क्या हैं?

Ans. फूल और तारे मातृभूमि के आभूषण हैं।

2. "नीलांबर परिधान हरित तट पर सुन्दर है" मातृभूमि का वस्त्र कौन-सा है?

Ans. यहाँ नीलांबर मातृभूमि का वस्त्र है।

3. "फिर अंत समय तू ही इसे अचल देख अपनाएगी।" – आखिरी समय हमारी देह को कौन अपनाएगी?

Ans. आखिरी समय हमारी देह को मातृभूमि अपनाएगी।

4. "हो मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की...." यहाँ सर्वेश की सगुण मूर्ति कौन है?

Ans. सर्वेश की सगुण मूर्ति यहाँ मातृभूमि ही है।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच या छः वाक्यों में लिखिए :- **(4 Marks)**

1. जीवन-वृत के आधार पर हिन्दी के प्रसिद्ध कवि मैथिलीशरण गुप्त के बारे में एक अनुच्छेद तैयार करें।

नाम	:	मैथिलीशरण गुप्त
जन्म	:	1885
जन्मस्थान	:	उत्तरप्रदेश के चिरगाँव
रचनाएँ	:	साकेत, यशोधरा, पंचवटी आदि
पुरस्कार	:	1954 में पद्मभूषण।
विशेषता	:	राष्ट्रकवि
निधन	:	1965

Ans. **राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त**

द्विवेदी युगीन लोकप्रिय कवि श्री मैथिलीशरण गुप्त का जन्म उत्तर प्रदेश के चिरगाँव में 1885 को हुआ। वे राष्ट्रकवि के नाम से जाने जाते हैं। साकेत, यशोधरा, पंचवटी आदि उनकी

PLUS TWO - HINDI

3. हेमा क्यों अपनी माँ के घर चली गयी? **(2)**

Ans. हेमा दिलीप के, उसकी सहेली के साथ सिनेमा देख आने के कारण रात भर रूठी रहती और सुबह अपनी माँ के घर चली गयी।

4. इस खंड का संक्षेपण लिखें:- **(4)**

Ans. दिलीप अपनी पत्नी से बहुत प्यार करता था। फिर भी उसके, सहेली के साथ सिनेमा देख आने पर रूठी हेमा माँ के घर चली गयी।

5. मान लीजिए हेमा दिलीप के घर लौट आयी है और उन दोनों की सहायता से खोंचेवाला लड़का मिठाई की एक नई दूकान खोलता है। उस के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें। **(8)**

Ans.

गरम गरम
और
ताज़ा ताज़ा
डी. फ्रेष चिप्स
(पूर्ण रूप से रासायनिक चीज़ों से मुक्त)
शुद्ध नारियल के तेल में तैयार किए गए...
कोलस्ट्रोल फ्री
पकौडे, मिठईयाँ, हलवा....
"खाद्य सुरक्षा विभाग का प्रमाण पत्र प्राप्त
प्रथम कुटीर उद्योग उपक्रम"
स्वाद एवं स्वास्थ्य का पर्याय
डी. फुड़ प्रोटक्टस
माधवनगर कॉलनी
उदयपुर 7
फोः 123645678971

13. अपराध

उदयप्रकाश

सूचना : कोष्ठक से उचित चुनकर लिखें:-

1. निम्नलिखित कहानियों में उदयप्रकाश की रचना कौन सी है? **(1)**

   (दुःख, जुलूस, अपराध, अनुताप)

Ans. अपराध

2. निम्नलिखित प्रस्तावों में बडे भाई से किस प्रस्ताव का संबन्ध नहीं था? **(1)**

   * बहुत सुन्दर था।
   * अच्छी तरह खेलता था।
   * छोटे भाई से प्यार नहीं था।
   * बहुत सारे दोस्त थे।

Ans. छोटे भाई से प्यार नहीं था।

3. बड़े भाई अपने दोस्तों के साथ कौन सा खेल खेल रहा था? **(1)**

   (कबड़ी, फुटबॉल, खो-खो, खड़ब्बल)

Ans. खड़ब्बल

4. "मैं ईर्ष्या आत्महीनता उपेक्षा और नगण्यता की आँच में झुलस रहा था?" छोटे भाई को क्यों ऐसा लगा? **(4)**

Ans. बड़ा भाई अपने साथियों के साथ खेल रहा था और वह खेल जीतने लगा था। खेल की मस्ती में उसने एक बार भी छोटे भाई को नहीं देखा मानो वह उसे पूरी तरह भूल चुका था। तब छोटा भाई ईर्ष्या, आत्महीनता, उपेक्षा और नगण्यता की आँच में झुलस रहा।

5. वे सच बोल रहे थे, लेकिन उन्हें सज़ा मिल रही थी। 'अपराध' कहानी के इस वाक्य की व्याख्या कीजिए:- **(6)**

Ans. एक दिन बड़ा भाई अपने दोस्तों के साथ खड़ब्बल खेल रहा था। खेल की मस्ती में वह अपने छोटे भाई की बात भूल गया यहाँ तक कि उसने छोटे भाई की ओर देखा भी नहीं। छोटे भाई अपना खडब्बल एक चट्टान से टकराकर खेला रहा था, उपेक्षा और नगण्यता का दुःख मन में होते ही उसके हाथ से खड़ब्बला चट्टान से टकराकर उछला और सीधे उसके माधे पर लगा। माथा फूट गया और खून बहने लगा। लेकिन घर जाकर उसने अपनी माता से कहा कि उसे बडे भाई ने खड़ब्बल से मारा है। सुनते ही पिताजी उसे पीटने लगे। उस समय वे सच बोल रहे थे, लेकिन उसे सज़ा मिल रही थी।

देश की ज़मीन पर सबका समान अधिकार है। फिर भी इन दलित और अदिवासी वर्गों को कभी-कभी अपनी ज़मीन से बाहर निकलते हैं। जंगली तथा पहाडी इलाकों की आदिम जनता होने के नाते वहाँ की भूमि पर उनका अधिकार है। कानून में सुधार लाकर उनको वहाँ घर बनाकर रहने और खेती करने का अधिकार प्राप्त करना है।

दलित तथा आदिवासी समाज की समस्याएँ हल करने के लिए उन्हें बुनियादी शिक्षा देने की ज़रूरी है। उनके अधिकारों से उन्हें अवगत कराने में आधुनिक शिक्षा–पद्धति एक हद तक सहायता देगी। इस प्रकार इनके स्वास्थ्य के पालन में नई चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाना है। ठीक समय पर फली चिकित्सा न मिलने के कारण केरल की अट्टप्पाडी जैसे इलाकों में अनेक लोगों की मृत्यु हुई है जिनमें नवजातशिशुओं की संख्या भी कम नहीं है। यद्यापि जंगली तथा पहाडी इलाकों में देश के अन्य स्थानों के समान विकास और अधिक सुख सुविधाएँ ला नहीं सकते हैं फिर भी यातायात पीने के पानी, बिजली, जंगली जानवरों तथा प्राकृतिक विपत्तियों से सुरक्षा आदि बुनियादी सुविधाएँ ला सकती है।

प्रत्येक दलित तथा आदिवासी जनता की अपनी एक कला एवं संस्कृति है । कुछ विभागों के बीच प्रत्येक चिकित्सा पद्धति भी है। वहाँ विकास और नई सुविधाएँ लागू कराते समय इनका संरक्षण ज़रूर करना है। लोकसंस्कृति के इन प्रतीकों का अस्तित्व कायम रखते हुए इन्हें अगली पीढ़ी को सौंपा देने का दायित्व हम को निभाना है।

हमारी जंगली भूमि प्राकृतिक संसाधनों का एक विशाल भंडार है। छोटी-छोटी जड़ी बूटियों से लेकर बड़े-बड़े महावृक्षों एवं ज़ंगली जानवरों की उस आवास व्यवस्था का संरक्षण केवल इन आदिवासी वर्गों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता एवं पारिस्थितिक संतुलन के लिए भी करना अनिवार्य है।

केन्द्र और राज्य सरकारें अनुसूचित जाति व जनजाति तथा अन्य दलित एवं आदिवासी जनता के कल्याण के हेतु अनेक योजनाएँ लागू कर रही है। मगर इन सबका फायदा, क्या इन लोगों तक पहुँचता है या नहीं इसके बारे में विचार करना है। हाल ही में अट्टप्पाडी के आदिवासी युवा मधु की हत्या हमें इनके प्रति अधिक ध्यान देने की याद दिलाती है।

सरकार और इन शोषित वर्गों के बीच की कडी राजनीतिक नेता एवं अधिकारी वर्ग है जो कभी-कभी इन बेचारे लोगों का शोषण करते हैं। वे इनके अधिकारों के संबन्ध में इन्हें जानकारी ही नहीं देते है मगर अपने अधिकारों के संबन्ध मैं इन्हें बोलने भी नहीं देते हैं। समकालीन हिन्दी के प्रमुख कवि पवन करण की "कहना नहीं आता" इन निरीग वर्गों की चेतनावाली एक रचना है।

15. कहना नहीं आता

1. 'कहना नहीं आता' किसकी रचना है? **(1)**

(चन्द्रकान्द देवताले, प्रसाद, दिनकर, पवनकरण)

Ans. पवन करण

सूचना :- कविताँश के आधार पर उत्तर लिखें :-

"जिनके पास कहने को है
जो कहना चाहते हैं
जिन्हें कहना नहीं आता
मैं उनमें से एक हूँ।"

2. कवि किन का प्रतिनिधित्व करते हैं? **(2)**

Ans. जिनके पास कहने के लिए शोषण का अनुभव है और जो अपना अनुभव दूसरों के सामने प्रस्तुत करना चाहते हैं, मगर वे इन अनुभवों को कह नहीं सकते हैं, कवि उन शोषित वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

3. सूचना :- निम्न लिखित बिन्दुओं के आधार पर "हाशिए कृत दलित आदिवासी वर्ग" विषय पर कक्षा में चलाई गई संगोष्ठी का आलेख तैयार करें। **(8)**

* दलित : आदिवासी वर्ग सामान्य परिचय
* ज़मीन और आवास की व्यवस्था
* शिक्षा और स्वास्थ्य
* यातायात एवं अन्य बुनियादी सुविधाएँ
* कला और संस्कृति
* जंगली तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण
* सरकार की योजनाएँ
* राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों का शोषण

Ans. देश की आबादी का एक बड़ा भाग शोषित और उपेक्षित है। हाशिए पर पड़ी दलित एवं आदिवासी वर्ग की यह जनता गाँवों और जंगली तथा पहाडी इलाकों में रहती है। सभी प्रकार के मानवीय अधिकारों से वंचित इनकेलिए कोई आवाज़ नहीं उठाते हैं। उन्हें कहना नहीं आता है कहकर समाज की मुख्यधारा के शोषक वर्ग निरंतर इनका शोषण करते हैं।

6. वास्तव में बड़ा भाई छोटे भाई से बहुत प्यार करता था। फिर भी छोटे भाई ने उसे नहीं पहचाना और झूठ बोलकर पिताजी से उसे पिटाया। इस से दुःखी होकर बड़ा भाई अपने मित्र के नाम पर पत्र लिखें तो वह पत्र कैसा होगा? **(8)**

Ans.

अंधेरी
4 जुलई 2018

प्रिय मित्र आनन्द,

कैसा है? मानता हूँ कि पढ़ाई सुचारू ढंग से चल रही है। छात्रावास के मित्र कैसे हैं, तेरे साथ कमरे में और कोई है, या तू अकेला? मैदान कब जाते हैं मॉर्निंग या ईवनिंग?

यहाँ सब ठीक-ठीक चलते हैं। मैं रोज़ खेलने जाता हूँ। दो चार नये बच्चे भी आते हैं । बड़ी मज़ा है, खेलने में। हम सब तुम्हें मिस करते हैं। आनन्द वहाँ की पढ़ाई पूरा करके जल्दी लौट गाँव आ.....

हाँ आनन्द, मैं अब एक खेद की बात बताने के लिए लिख रहा हूँ। मेरा छोटा भाई रमेश है न, बड़ा नटखट है। कल उसके कारण मुझे पिताजी ने बहुत बुरी तरह पीटा। जब हम खेलते थे वह दूर बैठ रहा था। मैं उसे ताकता ही रहता था। लेकिन जब हमारी टीम जीतने लगी तब मेरा ध्यान ज़रा उससे हटा। छोटा है न वह अपने खड़ब्बल से खेल रहा था और खड़ब्बल से उसका माथा फूटकर खून निकला, उसने घर जाकर कहा कि मैंने उसे खड़ब्बल से मारा है, और पिताजी ने मुझे पीटा। सच कहता हूँ आनन्द तू जानता है न मैं उसे बहुत प्यार करता हूँ फिर भी उसने मुझे नहीं पहचाना।

कोई बात नहीं वह मेरा कषिष्ठ भाई है ना, अब भी मेरे मन में उसके प्रति सिर्फ प्यार है....

आनन्द और क्या हाल चाल है? घरवालों और अपने मित्रों को मेरा प्यार....

जवाब की प्रतीक्षा में तेरा....उमेश

सेवा में
आनन्द गोपाल
रुम सख्या 14-ए
नेताजी बोयस होस्टल
एम.जी कॉलेज, मुम्बई।

7. 'अपराध' कहानी का छोटा भाई बड़ा होकर अपनी आत्मकथा लिखता है/ उसे बचपन की खड़ब्बल वाली वह घटना याद आई। वह अपनी आत्मकथा का उस अंश कैसे लिखेगा, कल्पना करके लिखें? **(8)**

Ans. कहने की ज़रूरत नहीं, प्रत्येक व्यक्ति की तरह हमारा बचपन भी बहुत सुंदर था। हम दोनों को माँ-बाप का खूब लाड-प्यार मिलता था। शायद मुझसे ही अधिक अपने बड़े भाई उमेश को, क्योंकि वह अपाहिज था। इसलिए घर में स्कूल में और मित्रों के बीच भी उन्हें बडे प्यार एवं वात्सल्य मिलते थे। यद्यपि वह हमारी तरह चलने में और दौड़ने में असमर्थ था। फिर भी प्रत्येक खेल में उनकी विशेष रुचि एवं क्षमता थी। जब वे अपने मित्रों के साथ खेलने जाते हैं तब उम्र में छोटा होने पर भी मुझे साथ ले जाता था। वे मुझ पर बडा ध्यान देते थे और अत्यंत प्यार भी करते थे। इस तरह हम दोनों भाई गाँव में तितलियों के समान उड़-उड़ रहते थे।

मगर उस दिन की वह घटना अब भी मेरे मन में काँटों की तरह चुभ रही है। खेल की मस्ती में भाई का ध्यान कुछ पल के लिए जब मुझे नहीं मिला तो मैं अपने आपको भूल गया। अपने ही खड़ब्बल से जब मेरा माथा फूटकर खून बहने लगा तो मैं ने घर जाकर कहा भाई ने मुझे खड़ब्बल से मारा है। बाकी... बाकी... मैं याद नहीं कर सकता.... पिताजी की बेंत बड़े भाई के दोनों पैरों पर.... ओह... वे वेदना से कराह रहे थे... और बीचों बीच सच भी बताते थे कि उन्होंने मुझे नहीं मारा है। फिर भी पिताजी उन्हें पीट रहे थे... मैं...मैं डर से चुप ही खड़ा रहा.... उस दिन मैं सो नहीं सका.... केवल उस दिन ही नहीं अब तक.... जब मैं इस कागज़ पर अपनी व्यथा को अक्षरों का रूप दे रहा हूँ.... अब तक मेरे मन में भाई का वह रोता हुआ चेहरा अमर अमर आता है.... अब कहने से क्या फायदा.... उन्होंने मुझे कितना प्यार एवं वात्सल्य दिये थे? मैंने.... मैंने.... उन्हें क्या लौटा दिया? वेदना.... सिर्फ वेदना.... बचपन की उन सुनहरी मुस्कुराहट में इन आँसुओं की बूँदें भी अंत तक चमकती ही रहेंगी....

14. समय के साथ हम भी.....

पारिभाषिक

सूचना : रेखांकित अंग्रेज़ी शब्दों के स्थान पर कोष्ठक से उचित हिन्दी शब्द जोड़कर लिखें :-

1. Internet से हमें काफ़ी लाभ है। **(1)**
   (अंतर्पात, तारांकित, मंडलिया, अंतर्जाल)

Ans. अन्तर्जाल

2. मुद्रण का निर्देश cancel करें:- **(1)**
   (सहेजें, साझा करें, खोज करें, रद्द करें)

Ans. रद्दे करें

सूचना :- कक्षा में कैंप्यूटर की अध्यापिका ने जो-जो निर्देश दिये हैं, उनमें प्रयुक्त अंग्रेज़ी शब्दों का हिन्दी में अनुवाद कोष्ठक की सहायता से करें।

3. Keyboard पर सावधानी से उँगलियाँ दबाइए। **(1)**
4. कठिन शब्दों का अर्थ search करके ढूँढ़ निकालें। **(1)**
5. कक्षा में प्रतिदिन computer की पुस्तिका लाना है। **(1)**
6. संचिका में लाए बदलाव को save करें। **(1)**
7. त्रुटियों का editing वैयक्तिक रूप से करें। **(1)**
8. अनावश्यक संचिकाएँ trash में डाल दें। **(1)**
9. केवल public उपयोग केलिए प्रयुक्त संचिकाएँ खेलिए। **(1)**
10. जो-जो Resource अपने पास हैं उन सबका इस्तेमाल करें। **(1)**
    (सार्वजनिक, संगणक, संसाधन, कुंजीपटल, सहेजें, ईक्षण, कुडेदान, खोज करें)